सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 220 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 24 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायपुर में 56 ग्राम हेरोइन के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी चोट करते हुए पंजाब से संचालित हो रहे अंतर्राज्यीय हेरोइन सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। कबीर नगर थाना पुलिस की कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से 56.19 ग्राम हेरोइन, एक्टिवा और मोबाइल फ्रोन बरामद किए गए हैं। जांच में खुलासा हुआ कि यह गिरोह लंबे समय से पंजाब से रायपुर तक चिट्टा सप्लाई कर रहा था। पुलिस को पहले सूचना मिली थी कि बीएसयूपी कॉलोनी जरीवाय इलाके में एक युवक और महिला नशीला पदार्थ बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। टीम ने मौके पर दबिश देकर दोनों को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 9.19 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में दोनों ने पंजाब निवासी चरणजीत सिंह उर्फसोनू का नाम उजागर किया, जो रायपुर में हेरोइन सप्लाई का मुख्य कड़ी बताया गया। तकनीकी सर्विलांस और खुफ्यिा इनपुट के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली कि चरणजीत सिंह एक और खेप लेकर रायपुर पहुंचने वाला है। सूचना मिलते ही कबीर नगर पुलिस ने सोनडोंगरी तालाब इलाके में घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से 47 ग्राम हेरोइन और मोबाइल फोन जब्त किया गया।

क्रशर प्लांट के खदान में मिली लाश, दो दिन पहले हुआ था लापता

कबीरधाम। जिले के सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र में शनिवार को सनसनी फैल गई। शांति नगर स्थित एक क्रेशर प्लांट परिसर की खदान में एक युवक का शव उसकी बाइक समेत मिला। मृतक की पहचान 25 वर्षीय दीपक तिवारी के रूप में हुई है, जो गौरमाटी का निवासी था और शांति नगर लोहारा में रह रहा था। दीपक तिवारी 21 मई की रात से लापता था, जिसकी गुमशुदगी 22 मई को लोहारा थाने में दर्ज कराई गई थी। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने क्रेशर प्लांट की खदान में शव और बाइक देखी। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सहसपुर लोहारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को खदान से बाहर निकाला। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह मामला संदिग्ध माना जा रहा है। प्रथम दृष्टया युवक के दुर्घटनावश गिरने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस आत्महत्या सहित अन्य संभावित पहलुओं को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटनास्थल की परिस्थितियों और युवक की स्थिति को देखते हुए पुलिस हर एंगल से पड़ताल में जुटी है।

पाकिस्तान के क्वेटा में आत्मघाती हमला, 10 से ज्यादा की मौत

क्वेटा ए.। पाकिस्तान के क्वेटा में एक बड़ा आत्मघाती हमला हुआ है। इस हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर ने रेलवे ट्रैक के पास खुद को विस्फोट से उड़ा लिया, जिसकी चपेट में आकर कई वाहन तबाह हो गए। हमले के बाद क्वेटा के सरकारी अस्पतालों में इमरजेंसी लागू कर दी गई है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार को क्वेटा के चमन फाटक के पास धमाका हुआ, जिसमें 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

दो पत्नियों को साथ रखने की जिद में टावर पर चढ़ा किसान, धमतरी में 48 घंटे चला हाईवोल्टेज ड्रामा

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पारिवारिक विवाद ने शनिवार को हाई-वोल्टेज ड्रामे का रूप ले लिया। यहां एक 32 वर्षीय किसान अपनी दो पत्नियों को एक साथ घर में रखने की जिद को लेकर 50फीट ऊंचे टावर पर चढ़ गया। घंटों की मशक्कत और समझाइश के बाद उसे नीचे उतारा गया।

मिली जानकारी के अनुसार यादराम साहू शनिवार सुबह शराब के नशे में गांव के पास हाईटेंशन टावर पर चढ़ गया। किसान की दो पत्नियां हैं और दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। इसी पारिवारिक कलह से परेशान होकर युवक ने यह आत्मघाती कदम उठाया। उसकी जिद थी कि दोनों पत्नियां आपसी विवाद खत्म कर एक ही घर में उसके साथ रहें। ग्रामीणों ने बताया कि युवक इससे पहले शुक्रवार को भी टावर पर चढ़ गया था।

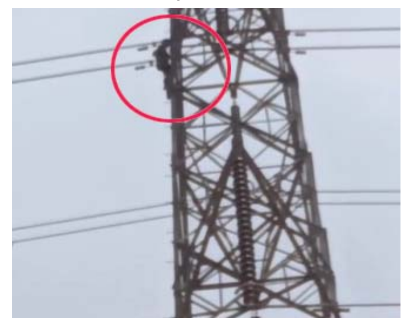

उस समय पुलिस ने काफी समझाइश देकर उसे नीचे उतार लिया था, लेकिन अगले ही दिन उसने फ्रि वही कदम दोहरा दिया। घटना की सूचना मिलते ही भखारा पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने लाउडस्पीकर के जरिए युवक से लगातार बातचीत की और उसे सुरक्षित नीचे उतरने के लिए मनाने का प्रयास किया। इस दौरान नीचे खड़े ग्रामीण उसकी सलामती की दुआ करते रहे। काफी देर चली बातचीत के बाद युवक ने नीचे उतरने के लिए एक अनोखी शर्त रख दी। उसने कहा कि वहां मौजूद कोई भी व्यक्ति उसका वीडियो नहीं बनाएगा। पुलिस ने उसकी शर्त मानते हुए लोगों को वीडियो बनाने से रोका और भरोसा दिलाया। इसके बाद युवक धीरे-धीरे टावर से नीचे उतर आया। रेस्क्यू सफ्ल होने के बाद पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर काउंसलिंग शुरू कर दी है। वहीं, दो दिनों से तनाव और दहशत का माहौल झेल रहे भेंडरा गांव में अब स्थिति पूरी तरह सामान्य हो गई है।

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी : 46 डिग्री पहुंचा पारा, 18 जिलों में चलेगी लू

■ **राजनांदगांव सबसे गर्म रायपुर-बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई में पारा 45 डिग्री के करीब**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर समेत 18 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज गर्म हवाएं चलेगीं और तापमान 44-45 डिग्री तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति 5 दिनों तक सेंट्रल पार्ट में रह सकती है। इस बीच बिलासपुर में लू लगने से एक बुजुर्ग की मौत होने की आशंका है। प्रदेश में सबसे ज्यादा तापमान राजनांदगांव में 46 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 22.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

प्रदेश के इन जिलों में हीटवेव का अलर्ट

मौसम विभाग ने रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, रायगढ़, मुंगेली, बलौदाबाजार, बेमेतरा, कबीरधाम, राजनांदगांव, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती, कोरबा, जांजगीर-चांपा, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद और बालोद में अगले 24 घंटे हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान दोपहर में तेज गर्म हवाएं चलेंगी और तापमान 44-45 डिग्री तक पहुंच सकता है।

क्या होती है हीटवेव?

जब किसी इलाके में तापमान सामान्य से काफी ज्यादा बढ़ जाता है और लगातार गर्म हवाएं चलती हैं, तो उसे हीटवेव या लू कहा जाता है। लंबे समय तक लू में रहने से हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके कारण तेज बुखार व अन्य शारीरिक समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं।

प्रमुख शहरों में ऐसा रहा तापमान का आंकड़ा

छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों में शनिवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री, बिलासपुर 44.5 डिग्री, अंबिकापुर 41.7 डिग्री और जगदलपुर 43.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं राजधानी रायपुर में रविवार को भी पारा 45 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। शनिवार को प्रदेश का सबसे अधिक तापमान राजनांदगांव में 46 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि अंबिकापुर सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री दर्ज हुआ। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और आसपास के इलाकों में भी दोपहर के समय सड़कें सुनसान नजर आईं। अत्याधिक गर्मी के कारण लोग निकलने से भी डर रहे हैं।

एयरपोर्ट पर रील बनाना अब पड़ेगा भारी डीजीसीए ने जारी किए सख्त नियम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हवाई सफर के दौरान सोशल मीडिया के लिए वीडियो और रील्स बनाना अब भारी सकता है। विमानन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डीजीसीए और ब्यूरो ऑफसिविल एविएशन सिक्योरिटी ने नई गाइडलाइन लागू की है। नए नियमों के तहत एयरपोर्ट के कई संवेदनशील इलाकों में फोटो और वीडियो शूट पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है।

नई व्यवस्था के अनुसार सुरक्षा जांच वाले क्षेत्र, विमान पार्किंग जोन और बस से विमान तक जाने वाले हिस्से में रुककर रील या वीडियो बनाना अब अनुमति के दायरे में नहीं रहेगा। अधिकारियों का कहना है कि इससे सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होती है और कई बार संचालन में बाधा भी आती है। हालांकि यात्रियों को उड़ान के दौरान अपनी सीट से सामान्य फोटो या वीडियो लेने की छूट रहेगी। लेकिन यदि केबिन क्रू कैमरा बंद करने के निर्देश देता है, तो उसका पालन करना अनिवार्य होगा। नियमों की अनदेखी करने पर यात्री को अनरूली पैसेंजर घोषित किया जा सकता है।

एविएशन सुरक्षा एजेंसियों ने साफ किया है कि प्रतिबंधित क्षेत्रों में वीडियो शूटिंग या हंगामा करने पर सख्त कार्रवाई होगी। ऐसे मामलों में यात्रियों पर कुछ महीनों से लेकर दो साल या उससे ज्यादा समय तक उड़ान भरने पर रोक लगाई जा सकती है। जरूरत पड़ने पर सुरक्षा एजेंसियां मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त कर सकती हैं। विमानन क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि सोशल मीडिया ट्रेंड के कारण एयरपोर्ट और फ्लाइट के भीतर अनुशासन प्रभावित हो रहा था। इसी वजह से सुरक्षा एजेंसियों ने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए नियमों को और सख्त कर दिया है।

कबाड़ी को थाने में वीआईपी ट्रीटमेंट, बिलासपुर में प्रधान आरक्षक समेत दो लाइन अटैच

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कोनी थाना एक बार फ्रि सुर्खियों में है। कथित कबाड़ कारोबारी अकबर खान की थाने के भीतर खातिरदारी करते हुए वायरल हुई तस्वीर ने पुलिस विभाग में हड़कंप मचा दिया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी रजनेश सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रधान आरक्षक बालेश्वर तिवारी और आरक्षक अनुज जांगड़े को लाइन अटैच कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक वायरल तस्वीर में कथित कबाड़ी अकबर खान को कोनी थाने के भीतर आराम से बैठाकर चाय-पानी कराया जा रहा था। फोटो वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड़ा। इसके बाद पुलिस विभाग हरकत में आया और एसएसपी ने तत्काल रिपोर्ट तलब कर ली। प्रारंभिक जांच में दोनों पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर एसएसपी ने सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया। पुलिस विभाग में इस कार्रवाई को कड़ा संदेश माना जा रहा है। सूत्रों की मानें तो आने वाले दिनों में जिलेभर में अवैध कारोबार और उससे जुड़े नेटवर्क पर पुलिस की निगरानी और सख्त हो सकती है।

इबोला वायरस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने घोषित किया आपातकाल

■ **खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने जारी की एडवायजरी**

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा में इबोला रोग के प्रकोप को देखते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। यह घोषणा अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम, 2005 के तहत 17 मई को की गई थी। इसे देखते हुए भारत सरकार ने अपने नागरिकों को कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा को प्रभावित करने वाले बुंडिबुग्यो स्ट्रेन इबोला वायरस रोग के चल रहे प्रकोप को 'महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' भी घोषित किया है।

इन देशों में है असर

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा की सीमा से लगे देशों, जिनमें दक्षिण सूडान भी शामिल है, को रोग के संचरण का उच्च जोखिम वाला माना गया है। इबोला रोग वायरस के बुंडिबुग्यो स्ट्रेन से होने वाला एक वायरल रक्तस्रावी बुखार है। यह एक गंभीर बीमारी है जिसमें मृत्यु दर अधिक होती है। वर्तमान में, बुंडिबुग्यो वायरस स्ट्रेन के कारण होने वाले इबोला रोग को रोकने या उसका इलाज करने के लिए कोई टीका या विशिष्ट उपचार स्वीकृत नहीं हैं।

भारत में कोई मामला नहीं

भारत में बुंडिबुग्यो वायरस स्ट्रेन के कारण इबोला रोग का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और अन्य प्रभावित देशों के हालातों को देखते हुए और डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों के अनुरूप, भारत सरकार ने सभी भारतीय नागरिकों को आगे की सूचना तक कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-आवश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

यूक्रेन पर रूस ने दागे ओरेश्निक मिसाइल, मलबे में बदली इमारतें

कीव एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस ने एक बार फिर घातक हवाई हमला किया है। रविवार की रात रूस ने मिसाइलों और ड्रोन से कीव को निशाना बनाया। इस जोरदार हमले से पूरा शहर थर्रा उठा। सरकारी दफ्तरों, रिहायशी इमारतों और स्कूलों के पास एक के बाद एक कई शक्तिशाली धमाके हुए।

स्थानीय अधिकारियों के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, इस हमले में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। रातभर हवाई हमले के सायरन बजते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों और पत्रकारों ने शहर के मध्य हिस्से में बेहद तेज विस्फोटों की आवाजें सुनीं। सूरज उगने तक यह हमला जारी

था और अधिकारियों ने आशंका जताई है कि कीव की तरफअभी और मिसाइलें व ड्रोन्स बढ़ रहे हैं।

नौ जिलों में भारी नुकसान

कीव सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर बताया कि राजधानी के कम से कम नौ जिलों में भारी तबाही दर्ज की गई है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, शेवचेंको जिले में एक स्कूल की इमारत हमले की चपेट में आ गई। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि धमाके के वक्त लोग उसी स्कूल के अंदर बने बंकर में शरण लिए हुए थे। इसके अलावा पूरे शहर में कई सुपरमार्केट और गोदाम भी तबाह हो गए हैं। क्षेत्रीय गवर्नर मायकोला कलाशनिक ने कहा कि रिहायशी इमारतों को सीधा नुकसान पहुंचा है।

हाथी के बच्चे का शव मिलने से मचा हड़कंप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में तालाब किनारे एक हाथी के बच्चे का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। बीती रात नहाते समय पानी में डूबने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी के बाद वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद है। मामला धरमजयगढ़ के छाल रेंज का है। जिले में जनवरी माह से आज तक कुल 8 हाथी के बच्चों की मौत हो चुकी है।

मिली जानकारी के मुताबिक, रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ वन मंडल में ही इन दिनों कुल 140 हाथी अलग-अलग दल में विचरण कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि बीती रात 8 बजे के आसपास पुसल्दा गांव के जंगल किनारे स्थित आमामुड़ा तालाब में हाथियों का एक बड़ा दल नहा रहा था, संभावना है कि नहाते समय बड़े हाथियों के नीचे दबकर एक हाथी के बच्चे की मौत हो गई है। हाथियों की झुंड उसके पास जमा हो गया। वन विभाग और डाक्टरों की टीम भी मौके पर पहुंच चुकी है, हाथियों के जंगल तरफजाने के बाद ही मृत हाथी के बच्चे के पोस्टमार्टम की प्रकिया की जाएगी। रायगढ़ में लगातार हाथी के बच्चे की मौत चिंता का विषय बना हुआ है।

अंतर्राष्ट्रीय बॉडी बिल्डर रेफरी राजशेखर को एसोसिएशन ने सभी पदों से किया सस्पेंड

रेलवे में नौकरी लगने रिश्वत लेते सीबीआई ने किया था गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सीबीआई द्वारा नौकरी लगने के नाम पर रिश्वत लेते पकड़े गए न्यायालय के आदेश पर जेल भेजे गए अंतर्राष्ट्रीय बॉडी बिल्डर रेफरी बी राजशेखर राव को बॉडी बिल्डिंग के सभी पदों से एवं बॉडी बिल्डिंग के सभी खेल गतिविधियों से आगामी आदेश तक निलंबित कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र कुमार टेकाम की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में इंडियन बॉडीबिल्डर फेडरेशन के अध्यक्ष स्वामी रमेश कुमार एवं महासचिव चेतन एम पठारे के निर्देश पर रविवार को एसोसिएशन के एग्जीक्यूटिव बॉडी की बैठक भिलाई में सम्पन्न हुई। जिसमें सीबीआई के द्वारा रेलवे में नौकरी लगने के नाम पर रिश्वत लेते गिरफ्तार किए गए बी राजशेखर राव को छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डर एसोसिएशन के सभी पदों एवं बॉडी बिल्डिंग खेल के सभी क्रियाकलापों से आगामी आदेश तक निलंबित कर दिया गया। इंडियन बॉडीबिल्डर फेडरेशन के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद सिंह को एग्जीक्यूटिव कमेटी ने महासचिव पद के कार्यों का प्रभार सौंप दिया है। इस बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद सिंह, उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ठाकुर, कार्यकारिणी सदस्य रमेश हिरवानी, सुमित विश्वास, मोहम्मद सलीम, नाहिद खान, एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष तुलसी प्रसाद सोनी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र कुमार टेकाम ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक की संपूर्ण जानकारी जल्द ही इंडियन बॉडी बिल्डिंग फेडरेशन के अध्यक्ष एवं महासचिव को भेजी जाएगी।

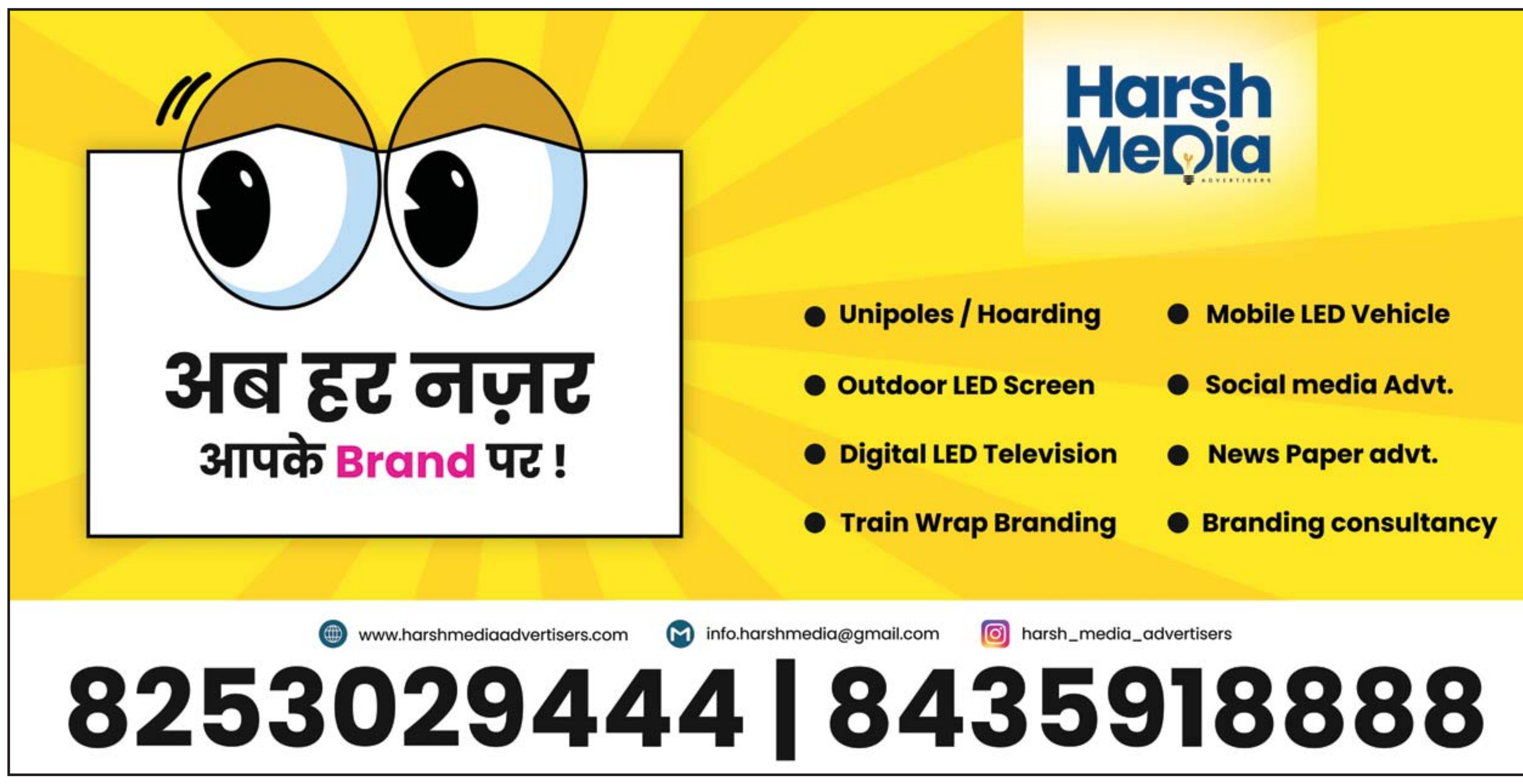

संपादकीय

कहने के पहले परिणाम के बारे सोचा नहीं जा रहा

लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी की बहुत बात होती है इसे व्यक्ति का अधिकार माना जाता है। आजादी व अधिकार जैसे शब्दों के कारण सामान्य आदमी से लेकर बड़े बड़े पदों पर बैठे हुए लोगों को लगता है कि वह कभी भी,कहीं भी,किसी के प्रति भी कुछ भी कह सकते हैं। वह कहने के पहले कहने का परिणाम क्या होगा यह सोचने को तैयार नहीं होते हैं। यानी हमने जो बिना सोचेविचारे कह दिया वही ठीक है, जबकि वह ठीक नहीं होता है और बिना सोचे विचार कुछ कहने का परिणाम हम आए दिन देश व दुनिया में देखते हैं। गुस्से में कुछ भी कहने का परिणाम क्या होता है यह तो हम रोज देखते हैं। जब भी आदमी में किसी बात को लेकर गुस्सा होता है तो वह अक्सर बिना सोचे समझे कुछ कह जाता है और उस कथन का परिणाम कई बार देश को भुगतना पड़ता है। बड़े पदों पर बैठे हुए लोगों को कई बार लगता है कि वह कोई बहुत अच्छी बात कह रहे हैं लेकिन वह अच्छी बात एक वर्ग के लिए ही अच्छी और दूसरे वर्ग के लिए बुरी हो तो इसका परिणाम देश के लिए बुरा हो सकता है।

> “ बड़े पदों पर बैठे हुए लोगों को कई बार लगता है कि वह कोई बहुत अच्छी बात कह रहे हैं लेकिन वह अच्छी बात एक वर्ग के लिए ही अच्छी और दूसरे वर्ग के लिए बुरी हो तो इसका परिणाम देश के लिए बुरा हो सकता है। आरक्षण के विषय में देश के बड़े पदों पर बैठे हुए लोगों को कुछ भी कहने से पहले उसके परिणाम के बारे में जरूर सोचना चाहिए। उन्हें यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि हमने जो कहा है उससे तो अच्छा हो होगा। हमेशा ऐसा नहीं होता है,कई बार बुरा होता है और एक बड़ी आबादी को उसका परिणाम भुगतना पड़ता है।

आरक्षण के विषय में देश के बड़े पदों पर बैठे हुए लोगों को कुछ भी कहने से पहले उसके परिणाम के बारे में जरूर सोचना चाहिए। उन्हें यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि हमने जो कहा है उससे तो अच्छा हो होगा। हमेशा ऐसा नहीं होता है,कई बार बुरा होता है और एक बड़ी आबादी को उसका परिणाम भुगतना पड़ता है। कोर्ट ने मणिपुर में आरक्षण के विषय में कुछ कहा और उस कहने का परिणाम यह है कि आज तक मणिपुर के लोग आपस में लड़ रहे हैं, सरकार वहां शांति स्थापित नहीं कर पा रही है। बांग्लादेश में आरक्षण पर कोर्ट ने कुछ कहा और बांग्लादेश में महीनों अराजकता की स्थिति रही। चुनी हुई सरकार को इस्तीफा देना पड़ा,लोगों को महीनों कई तरह की परेशानी हुई। नेपाल में युवाओं के आंदोलन के कारण पुरानी सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। महीनों यहां भी अराजकता की स्थिति रही। कोई कुछ भी अच्छे के लिए लेकिन गुस्से में जो लोग होते हैं,वह उसका कोई गलत मतलब निकाल सकते हैं फिर आप कहते रहो हमारे कहने का यह मतलब नहीं था।

हमारे कहने का तो यह मतलब था लेकिन देश के नाराज लोगों को एक मौका मिल जाता है अपने गुस्से को बाहर निकालने का और इस मौके पर किसी देश में क्या कुछ हो सकता है हमने बांग्लादेश,श्रीलंका व नेपाल में देखा है। समझने की जरूरत है कि हर देश की युवा पीढ़ी में कई तरह की समस्याओं के कारण गुस्सा होता है। बेरोजगारी,भ्रष्टाचार,शासक वर्ग की ऐयाशी, आरक्षण आदि ऐसे मुद्दे होते हैं जिसके कारण युवाओं में बहुत गुस्सा होता है। उनको लगता है कि उनके साथ अन्याय हो रहा है। अब एक जज साहब ने कह दिया कुछ लोग काकरोज,परजीवी होते हैं। एक जज साहब ने कह दिया कि माता पिता आईएएस हैं तो बच्चों को आरक्षण क्यों मिलना चाहिए। जज साहब ने ऐसा क्यों कहा, किसके भले के लिए कहा,यह बात भुला दी जाती है और यह याद रखा जाता है कि जज साहब ने देश के युवाओं को काकरोच कहा है। यह याद रखा जाता है कि जज साहब ने आरक्षण नहीं देने को कहा है। गांव तक बात पहुंचेगी तो यह समझाया जाएगा सरकार युवाओं को काकरोच समझती है, कि सरकार आरक्षण खत्म करने वाली है और आरक्षण ऐसा संवेदनशील मुद्दा है को पूरा देश व समाज दो हिस्सों में बंट जाता है और व्यापक हिंसा व तनाव की स्थिति निर्मित होती है। पिछड़ों का आरक्षण देते वक्त देश देख चुका है कि आरक्षण देने व खत्म करने के नाम पर देश में क्या कुछ हो सकता है। देश में कई राजनीतिक दल जो चुनाव में हार जाते हैं, वह सत्ता से सरकार को हटाने के लिए युवाओं के ऐसे आंदोलन का इंतजार कर रहे हैं जैसा बांग्लादेश में हुआ,श्रीलंका में हुआ, नेपाल में हुआ। युवाओं में गुस्सा है कुछ राजनीतिक दल चाहते हैं कि इस देश के युवा भी बांग्लादेश,श्रीलंका व नेपाल के युवाओं की तरह देश को अराजकता की आग में झोंक दे देश में अराजकता की आग न फैले इसलिए बड़े पदों पर बैठे हुए लोगों को कुछ कहने से पहले परिणाम के बारे में जरूर सोचना चाहिए।

भारतीय जरूरतों का ऊर्जा मॉडल हो तैयार

दीपक कुमार शर्मा

देश की विशाल आबादी की ऊर्जा जरूरतें बहुत बड़ी हैं। वृद्धिमान आर्थिकी के सभी क्षेत्रों में एनर्जी चाहिए। जिसका बड़ा भाग पेट्रो प्रोडक्ट्स के आयात से आता है। इससे आत्मनिर्भरता व सुरक्षा चिंताएं जुड़ी हैं। इसीलिए नवीकरणीय स्रोतों सौर, पवन, जलीय और परमाणु ऊर्जा उत्पादन व भंडारण प्रणाली का संतुलित संयोजन जरूरी है।

आज ऊर्जा केवल बिजली उत्पादन का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि यह आर्थिक प्रतिस्पर्धा, औद्योगिक क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय सुरक्षा से सीधे जुड़ा विषय बन चुका है। हाल ही के दिनों में अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों ने ऊर्जा सुरक्षा की चिंता को और गहरा किया है। प्रधानमंत्री ने भी नागरिकों से संयमित उपभोग की अपील करते हुए पेट्रोल-डीजल की बचत, अनावश्यक खर्चों में कमी और ऊर्जा संरक्षण पर बल दिया।

भारत इस समय अपनी कुल कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में तेल की कीमतों में होने वाला उतार-चढ़ाव सीधे भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। पिछले दो महीनों में युद्धजनित परिस्थितियों के कारण कच्चा तेल लगभग 50 प्रतिशत तक महंगा हुआ है। यह केवल आयात बिल की वृद्धि नहीं। इसका प्रभाव परिवहन लागत, उर्वरक, उद्योग, महंगाई, राजकोषीय संतुलन और घरेलू उपभोग तक दिखाई देता है।

सरकार ने हाल ही में पेट्रोल-डीजल पर सरचार्ज में कमी की थी। इससे उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिली, लेकिन अनुमान है कि इससे सरकार को हर माह लगभग 14 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्रभाव (रेवेन्यू लॉस) पड़ रहा है। दूसरी ओर, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां भी प्रतिदिन करीब 1600 करोड़ रुपये तक का दबाव झेल रही हैं। यह स्थिति बताती है कि ऊर्जा संकट केवल बाजार का मामला नहीं, बल्कि वित्तीय प्रबंधन और आर्थिक नीति का भी प्रश्न है।

इसी पृष्ठभूमि में विश्व स्तर पर परमाणु ऊर्जा फिर चर्चा में है। इसका प्रमुख कारण है कि परमाणु ऊर्जा कम कार्बन उत्सर्जन के साथ लगातार भारी मात्रा में बिजली उपलब्ध कराती है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के आंकड़ों के अनुसार, दुनिया में करीब 440 परमाणु रिएक्टर कार्यरत हैं। ये वैश्विक बिजली उत्पादन का करीब 9 प्रतिशत और कम कार्बन बिजली उत्पादन का करीब एक चौथाई भाग देते हैं।

स्पष्ट है, ऊर्जा के विविध स्रोतों के बीच परमाणु ऊर्जा आज भी महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है। अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा उत्पादक देश है। वहां करीब 93 परमाणु रिएक्टर बिजली पैदा कर रहे हैं। वह कुल बिजली का करीब 18-19 फीसदी परमाणु ऊर्जा से प्राप्त करता है। फ्रांस का मॉडल अलग है। वहां करीब 56 परमाणु रिएक्टर कार्यरत हैं। फ्रांस अपनी कुल बिजली का लगभग 65 से 70 प्रतिशत हिस्सा परमाणु ऊर्जा से प्राप्त करता है।

'90 के दशक में चीन ने फ्रांस सहित अन्य देशों से परमाणु तकनीकी सहयोग शुरू किया। शुरुआत में विदेशी तकनीकी सहायता के आधार पर परियोजनाएं विकसित कीं। बाद में चीन ने घरेलू अनुसंधान, निर्माण क्षमता और इंजीनियरिंग दक्षता को व्यवस्थित रूप से बढ़ाया। आज 2026 में चीन के पास करीब 60 कार्यरत परमाणु रिएक्टर हैं और करीब 35 निर्माणाधीन हैं। इन वैश्विक उदाहरणों के बीच भारत की स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की विशाल जनसंख्या की ऊर्जा आवश्यकताएं बहुत बड़ी हैं। यह मांग घरेलू उपयोग तक सीमित नहीं। कृषि, सिंचाई, उद्योग, रेल परिवहन, डिजिटल नेटवर्क, अस्पताल, शिक्षा, शहरी पेयजल व्यवस्था, अपशिष्ट प्रबंधन और डेटा केंद्र—इन सभी क्षेत्रों में निरंतर बिजली की जरूरत है।

भारत ने पिछले वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित ऊर्जा गलियारों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई है। यही कारण है कि भारत के लिए ऊर्जा का संतुलित उपयोग आवश्यक है। सौर ऊर्जा दिन के समय अधिक उपलब्ध होती है, पवन ऊर्जा मौसम पर निर्भर करती है और जलविद्युत वर्षा पर निर्भर हो सकती है। इसके विपरीत, परमाणु ऊर्जा निरंतर आधारभूत बिजली उपलब्ध कराती है। यही इसकी सबसे बड़ी उपयोगिता है।

वर्तमान में देश में करीब 24 परमाणु रिएक्टर कार्यरत हैं। इनकी स्थापित क्षमता करीब 8 गीगावाट है। भारत की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि उसने दीर्घकालिक रूप से थोरियम आधारित परमाणु कार्यक्रम पर कार्य किया है। यदि अनुसंधान, निवेश और तकनीकी विकास इसी दिशा में निरंतर बढ़ते रहे, तो भविष्य में यह भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई क्षमता प्रदान कर सकता है।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर निर्माण और डेटा केंद्र ऊर्जा मांग को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। एक बड़ा डेटा केंद्र प्रतिदिन भारी मात्रा में बिजली की खपत करता है। आने वाले दशकों में डिजिटल अर्थव्यवस्था की सफलता भी ऊर्जा उपलब्धता पर निर्भर करेगी। यदि भारत को विनिर्माण, डिजिटल सेवाओं और तकनीकी नवाचार में अग्रणी भूमिका निभानी है, तो ऊर्जा अवसंरचना को समान गति से विकसित करना होगा।

भारत के लिए व्यावहारिक मार्ग है कि वह ऊर्जा नीति को किसी एक स्रोत के पक्ष या विपक्ष के रूप में न देखकर राष्ट्रीय आवश्यकता के रूप में देखे। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जलविद्युत, गैस आधारित उत्पादन, ऊर्जा भंडारण प्रणाली और परमाणु ऊर्जा—इन सभी का संतुलित संयोजन देश की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप होगा। ऊर्जा का प्रश्न उत्पादन तक सीमित नहीं। वितरण व्यवस्था, ट्रांसमिशन अवसंरचना, तकनीकी दक्षता, स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा संरक्षण और नागरिक भागीदारी भी उतने ही आवश्यक हैं।

भारत को अपनी परिस्थितियों, संसाधनों और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप एक भारतीय ऊर्जा मॉडल विकसित करना होगा। यही मॉडल आने वाले वर्षों में आर्थिक विकास, पर्यावरणीय संतुलन और राष्ट्रीय सामर्थ्य का आधार बनेगा।

युवा मन की पीड़ा व आक्रोश को समझें

विश्वनाथ सचदेव

पिछले पच्चीस सालों में सौ से अधिक आरटीआई कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है। 'फ्री स्पीच कलेक्टिव' के अनुसार भारत में पिछले दो दशकों में पचास से अधिक पत्रकार पेशेवर कार्यों के कारण मारे जा चुके हैं। ऐसे लोगों को जब कोई कॉकरोच या परजीवी कहे तो दुख भी होना चाहिए और गुस्सा भी आना चाहिए। पिछले कुछ दिनों से अचानक कॉकरोच यानी तिलचट्टा देश में चर्चा का विषय बन गया है। नहीं, कॉकरोच ने कुछ नया नहीं किया है। हुआ यह है कि देश की सर्वोच्च अदालत के मुखिया ने एक मामले की सुनवाई के दौरान अपनी अलिखित टिप्पणी में कॉकरोच का नाम लेकर कुछ ऐसा कह दिया कि देशभर में चर्चा चल पड़ी है। मामला एक वकील द्वारा 'वरिष्ठ वकील' कहलाये जाने की मांग को उठाये जाने का था। उसकी मांग को अनुचित बताते हुए मुख्य न्यायाधीश महोदय ने उस जैसे वकीलों की तुलना कॉकरोच से कर दी। उन्होंने कहा, कुछ बेरोज़गार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट आदि बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। स्पष्ट है उन्हें वह वकील महोदय भी सिस्टम पर हमला करने वाले लगे होंगे। मुख्य न्यायाधीश तो यह टिप्पणी करके चुप हो गये थे, पर इस टिप्पणी को लेकर देश बोलने लगा। बेरोज़गारों, एक्टिविस्टों, मीडिया कर्मियों, ने मुख्य न्यायाधीश की इस टिप्पणी को अनुचित ही नहीं, शर्मनाक भी बताया। सचमुच, यह समझना आसान नहीं है कि देश के सर्वोच्च पदों में से एक पर बैठने वाला व्यक्ति देश के युवाओं की तुलना कॉकरोच जैसे जीव कैसे कर सकता है!

बात जब बढ़ने लगी तो न्यायाधीश महोदय ने अपना स्पष्टीकरण देते हुए यह कहा कि उनकी बात को अनुचित रूप से सामने रखा जा रहा है, उनका मुख्य निशाना तो उन लोगों पर था जो फर्जी डिग्रियों से कानूनी पेशे में आ जाते हैं और सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। जहां तक भारत के युवाओं का सवाल है, उन्हें तो वह 'विकसित भारत का स्तंभ' मानते हैं। मुख्य न्यायाधीश महोदय ने अपने स्पष्टीकरण में यह भी कहा कि उन्हें 'युवाओं की वर्तमान और भविष्य की क्षमता पर गर्व है'। होना तो यह चाहिए था कि इस स्पष्टीकरण के बाद विवाद यहीं समाप्त हो जाता, पर हुआ नहीं। मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं, एक्टिविस्टों, मीडिया कर्मियों की तुलना कॉकरोच से किया जाना लोगों को रास नहीं आ रहा। मुख्य न्यायाधीश ने सिर्फ कॉकरोच ही नहीं कहा, उनके लिए 'परजीवी' शब्द का इस्तेमाल भी किया। यदि यह विशेषण युवा भारत को आहत कर रहा है तो इसे ग़लत नहीं कहा जा सकता।

मुख्य न्यायाधीश चाहते तो कॉकरोच या परजीवी जैसे शब्दों के अनुचित उपयोग पर क्षमा मांग सकते थे। क्षमता नहीं मांगते तो कम से कम खेद तो व्यक्त कर ही सकते थे। उनका ऐसा करना एक उदाहरण होता उन सबके लिए जो सार्वजनिक व्यवहार में इस तरह के शब्द अक्सर बोल जाते हैं। सवाल शब्दों का ही नहीं है, इनके पीछे की मानसिकता का है। देश के युवाओं को कॉकरोच या परजीवी कहने की इस मानसिकता को समझना ज़रूरी है। कथित ग़लत काम करने के लिए किसी को सांप या बिच्छू भी कहा जा सकता था। पर जाने-अनजाने मुख्य न्यायाधीश महोदय ने कॉकरोच शब्द का इस्तेमाल किया। कॉकरोच शब्द अपने आप में एक लंबी कहानी और प्रवृत्ति को उजागर करता है। आज जिसे हम कॉकरोच कहते हैं, उसका जन्म शायद जुरासिक काल में हुआ था आज से 320 मिलियन साल पूर्व। यह शायद अकेला जीव है जो तीन करोड़ सालों से अधिक समय से धरती पर है और कहते हैं इसका अस्तित्व कभी समाप्त भी नहीं होगा। न्यूक्लियर युद्ध के बाद भी कॉकरोच के धरती पर बने रहने की बात भी वैज्ञानिक कहते रहते हैं! महान जर्मन कथाकार फ्रांज काफ्का की कहानी 'दि मेटामार्फोसिस' में कॉकरोच का सीधा वर्णन तो नहीं किया गया, पर कहानी का मुख्य पात्र ग्रेगर सामसा एक खतरनाक कीड़े में बदल जाता है। काफ्का ने इसके लिए एक जर्मन शब्द 'अनजेसिफर' का इस्तेमाल किया है, इसका अर्थ 'गंदा कीड़ा' या 'बीमारी फैलाने वाला जीव' होता है। वस्तुत: कहानी में एक जीव का इस कीड़े के रूप में कायांतरण होता है। जिसकी मृत्यु उसके परिवार के लिए महत्वहीन होने की अनुभूति थी। आप चाहें तो इस 'अनजेसिफर' को घृणा करने योग्य कीड़े के रूप में देख सकते हैं; जो लिजलिजा है; जो गंदे गीले माहौल में पलता है; जो परजीवी है और जो किसी काम का नहीं रहा है। जब हम किसी को कॉकरोच या तिलचट्टा कहते हैं तो वस्तुत: हम उसे एक ऐसे जीव के रूप में देख रहे होते हैं जो किसी काम का नहीं है, जो अंधेरे में जीता है, जो छिपकर वार करता है, जो परजीवी है!

आज यदि देश के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कहे जाने पर आपत्ति है तो उसके पीछे उस मानसिकता के नकार की प्रवृत्ति है जो परजीवी को एक गाली के रूप में देखती है। सांप-बिच्छू जैसे जीवों के विपरीत कॉकरोच को छिपे हुए संक्रमण और उपेक्षित जगहों पर रहने से जोड़ा जाता है। उसका लिजलिजापन एक अजीब-सी अनुभूति उत्पन्न करता है।

देश के बेरोजगारों को परजीवी मानने-कहने का मतलब देश के एक करोड़ से अधिक युवाओं को नाकारा बतलाना है। उनका अपराध या पाप यही है कि हमारी व्यवस्था उन्हें रोजगार नहीं दे पायी। अंतर्राष्ट्रीय श्रम आयोग और मानव विकास संस्थान के एक सर्वेक्षण के अनुसार पंद्रह से उन्तीस वर्ष की आयु वर्ग में आने वाले भारतीय युवाओं में 83 प्रतिशत बेरोज़गार हैं। इन बेरोज़गारों में से 67 प्रतिशत युवा स्नातक हैं। आंकड़े यह भी बताते हैं कि सन? 2000 की तुलना में आज यह संख्या दुगनी हो चुकी है। तब 35 प्रतिशत युवा बेरोज़गार थे, आज 65 प्रतिशत से अधिक युवा रोज़गार की तलाश में भटक रहे हैं। आखिर क्यों? इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? किसका दायित्व है इन युवाओं को रोज़गार देना? फिर, जब इन युवाओं में से कुछ आर टी आई कार्यकर्ता बन जाते हैं, मीडियाकर्मी के रूप में काम करने लगते हैं या व्यवस्था के प्रति अपना गुस्सा अभिव्यक्त करते हैं तो उन्हें परजीवी कॉकरोच कहा जाता है! आखिर क्यों?

किसी को कॉकरोच कहने की इस मानसिकता के पीछे सिर्फ व्यक्तिगत आक्रोश नहीं होता। देश का मुख्य न्यायाधीश जब ऐसे शब्दों से अपना आक्रोश या अपनी पीड़ा व्यक्त करता है तो हमला व्यक्ति या स्थिति पर नहीं, लोकतंत्र की आत्मा पर होता है। सन् 2005 में देश में सूचना का अधिकार अधिनियम लागू हुआ था, तब से लेकर आज तक न जाने कितनी बार सरकार से उनकी संख्या मांगी गयी जो इस कार्य को करते हुए मारे गये, पर यह आंकड़े कभी सार्वजनिक नहीं हुए। गैर सरकारी संगठनों के अनुमान के अनुसार पिछले पच्चीस सालों में सौ से अधिक आरटीआई कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है। 'फ्री स्पीच कलेक्टिव' के अनुसार भारत में पिछले दो दशकों में पचास से अधिक पत्रकार पेशेवर कार्यों के कारण मारे जा चुके हैं। ऐसे लोगों को जब कोई कॉकरोच या परजीवी कहे तो दुख भी होना चाहिए और गुस्सा भी आना चाहिए। यह एक अच्छी बात है कि आज यह पीड़ा और क्षोभ उफन कर सामने आ रहा है। इस पीड़ा को समझने की आवश्यकता है, इसकी उपेक्षा करने की नहीं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

विकास की नई कहानी लिख रहा बस्तर

नसीम अहमद खान

कभी गोलियों की आवाज, बारूद विस्फोट और खौफ के साये से पहचाना जाने वाला बस्तर अब तेजी से बदल रहा है। जिन गांवों में शाम ढलते ही सन्नाटा पसर जाता था, वहां अब बच्चों की पढ़ाई की आवाज सुनाई दे रही है। जिन रास्तों पर कभी सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ों की खबरें आती थीं, वहां अब सड़कें बन रही हैं, बिजली पहुंच रही है और विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। बस्तर की यह बदलती तस्वीर केवल सरकारी दावों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां के जनजीवन में साफ महसूस की जा सकती है।

यह बदलाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में चल रही सुरक्षा और विकास की दोहरी रणनीति का असर है। राज्य सरकार का फोकस अब केवल बस्तर के लोगों का भरोसा जीतना और बस्तर को शिक्षा, रोजगार, पर्यटन और बुनियादी सुविधाओं से जोड़कर मुख्यधारा में लाने पर है।

अबूझमाड़ के रेकावया गांव में आजादी के बाद पहली बार स्कूल बन रहा है। यह सिर्फ एक भवन निर्माण नहीं, बल्कि उस उम्मीद का प्रतीक है जिसका इंतजार वर्षों से किया जा रहा था। नारायणपुर के दूरस्थ इलाकों में 50 से अधिक ऐसे स्कूल दोबारा खोले गए हैं, जहां कभी नक्सलियों के डर से ताले लटक गए थे। अब बच्चे बिना भय के पढ़ाई कर रहे हैं। बस्तर का चर्चित गांव पुवर्ती, जिसे कभी नक्सली गतिविधियों का मजबूत केंद्र माना जाता था, आज सड़क और बिजली से जुड़ चुका है। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि अब विकास जंगलों और पहाड़ियों को पार करते हुए अंतिम छोर तक पहुंच रहा है। नक्सल प्रभावित इलाकों में मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने 'नियद नेल्ला नार' योजना शुरू की। इसके तहत 521 गांवों में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और संचार सुविधाओं का विस्तार किया गया। एक लाख से ज्यादा लोगों के आधार कार्ड बनाए गए, लगभग 60 हजार लोगों को आयुष्मान कार्ड मिले और बड़ी संख्या में राशन कार्ड तथा मनरेगा जॉब कार्ड वितरित किए गए। इन क्षेत्रों में 43 नई सड़कें बनाई गई हैं। मोबाइल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए लगातार नए टावर लगाए जा रहे हैं। महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत सीधे खातों में राशि मिलने से आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ी है।

पिछले ढाई वर्षों में नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षाबलों ने 500 से अधिक नक्सलियों को निष्प्रभावी किया है। वहीं नई पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर 2800 से ज्यादा नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि 2037 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाने के लिए 86 नए सुरक्षा कैंप खोले गए हैं। इन कैंपों की वजह से प्रशासन अब उन इलाकों तक पहुंच पा रहा है, जहां कभी जाना बेहद कठिन माना जाता था। बीजापुर जिले का चिल्कापल्ली गांव बदलाव की नई मिसाल बन गया है। यहां आजादी के 77 साल बाद 26 जनवरी 2025 को पहली बार बिजली पहुंची। इसके बाद तेमेनार, पुसकोंटा और हांदावाड़ा जैसे गांवों में भी रोशनी पहुंची। जिन गांवों में कभी अंधेरा और डर एक साथ मौजूद थे, वहां अब सामान्य जीवन लौटता दिखाई दे रहा है।

राज्य सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में पुनर्वास को अहम हथियार बनाया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को तीन साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। उन्हें जमीन, मकान और रोजगार के लिए प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। इनामी नक्सलियों को घोषित इनाम की राशि भी दी जा रही है। इतना ही नहीं, अगर किसी संगठन के 80 प्रतिशत सदस्य एक साथ आत्मसमर्पण करते हैं, तो उन्हें अतिरिक्त लाभ भी मिलता है। नक्सल मुक्त गांवों में एक करोड़ रुपये तक के विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

बदलाव की सबसे महत्वपूर्ण तस्वीर यह है कि अब लोग लोकतंत्र पर भरोसा जता रहे हैं। फरवरी और मार्च 2026 में 368 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ विधानसभा का भ्रमण कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझा। यह इस बात का संकेत है कि हिंसा छोड़कर लोग संवाद और लोकतंत्र के रास्ते को अपना रहे हैं। बस्तर में सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन भी तेजी से सामान्य हो रहा है। बस्तर ओलंपिक में इस बार 3.91 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। इनमें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवा, दिव्यांग और आत्मसमर्पित लोग भी शामिल रहे। बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों ने आदिवासी संस्कृति को नई पहचान दी है। वर्ष 2025 में 47 हजार कलाकार जुड़े थे, जबकि 2026 में इसे और बड़े स्तर पर 12 विधाओं में आयोजित किया गया। इससे बस्तर की सांस्कृतिक पहचान और मजबूत हुई है।

बस्तर में बुनियादी ढांचे के विकास को भी गति मिली है। वर्षों से अधूरी पड़ी 41 सड़कें पूरी की जा चुकी हैं। ताड़मेटला और कटेकल्याण-कापानार-नडेनार जैसी सड़कें अब तैयार हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 2500 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है। 146 सड़क और पुल निर्माण कार्यों के लिए 1109 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में कई महत्वपूर्ण सड़क और पुल निर्माण कार्य पूरे हुए हैं। रेल कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन को मंजूरी दी गई है। 140 किलोमीटर लंबी इस परियोजना पर 3513 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा कोत्तवलसा-किरंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण का काम भी तेजी से चल रहा है।

सिंचाई क्षेत्र में इंद्रावती नदी पर मटनार और देऊरगांव में 2024 करोड़ रुपये की लागत से बैराज और 68 किलोमीटर लंबी नहर निर्माण की योजना है। इससे लगभग 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। कांकेर का मेढकी बैराज, बीजापुर की मट्टीमारका डायवर्सन योजना और बस्तर का महादेवघाट बैराज भी स्वीकृत हो चुके हैं। अब बस्तर की पहचान सिर्फ नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में नहीं रह गई है। चित्रकोट जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान और धुड़मारास गांव जैसे स्थान देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। होमस्टे और इको-टूरिज्म के जरिए स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है। युवाओं को अब गांव छोड़ने की जरूरत कम पड़ रही है। सरकार अब अबूझमाड़ और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी विकसित करने की तैयारी कर रही है। साथ ही एग्रो-प्रोसेसिंग और वन आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर स्थानीय रोजगार बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

उप संचालक, जनसंपर्क

प्रकृति की सुरक्षा

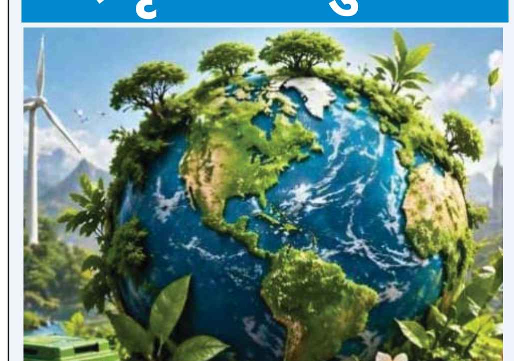

हरियाली की गोद में, नव जीवन आधार।
पेड़ों की छाया तले, खुशियाँ मिले अपार।
'सुषमा' कहे न काटिए, वृक्ष धरा अनमोल-
संरक्षण से ही बचे, सब सुख का संचार।।
बूँद-बूँद से सींचिए, धरती का श्रृंगार।
सुनो धरा की पीर अब, करो न यों संहार।
प्रकृति सुरक्षा नित रहे, प्राणवायु के स्रोत-
आओ मिलकर ठान लें, देंगे तरु उपहार।।

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल
(रायगढ़/रायपुर छ.ग.)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

फॉरेंसिक वैन पुलिसिंग के लिए महत्वपूर्ण : चंद्राकर

भिलाई। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल, कलेक्टर अभिजीत सिंह, आईजी अभिषेक शांडिल्य ने अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बीएसपी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सेक्टर-04 में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ पुलिस को आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। मोबाइल फॉरेंसिक वैन के शुभारंभ से अपराधों की जांच प्रक्रिया और अधिक वैज्ञानिक, त्वरित और प्रभावी होगी। वैन घटनास्थल पर ही साक्ष्यों के संकलन और परीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे अपराधों के शीघ्र निराकरण में सहायता मिलेगी और दोषियों को जल्द सजा दिलाना संभव होगा।

तालपुरी इंटरनेशनल कॉलोनी में पानी की गंभीर समस्या

भिलाई। तालपुरी बी ब्लॉक रेजिडेंस एसोसिएशन के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों ने अध्यक्ष सुनील चौरसिया के नेतृत्व में रिसाली नगर पालिक निगम की आयुक्त मोनिका वर्मा से मुलाकात की। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आयुक्त के समक्ष तालपुरी बी ब्लॉक कॉलोनी की विभिन्न मूलभूत समस्याओं और आवश्यकताओं को विस्तार से रखा। चर्चा के दौरान मुख्य रूप से कॉलोनी के कुछ हिस्सों में पर्याप्त जलापूर्ति न होने की समस्या और आर्किड परिसर में ओवरफ्लो के कारण हो रही पानी की भारी बर्बादी का मुद्दा उठाया गया।

भिलाई में कांग्रेस सेवादल ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि दी

भिलाई। भिलाई शहर जिला कांग्रेस सेवादल ने कैलाश नगर, कुरूद के वार्ड 21 में राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि को आतंकवाद विरोधी दिवस और बलिदान दिवस के रूप में मनाया। वंदे मातरम गान के बाद वक्ताओं ने राजीव गांधी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने संचार क्रांति को गति दी, पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत किया, युवाओं के लिए मतदान आयु 18 वर्ष करने का निर्णय लिया और जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना से ग्रामीण प्रतिभा को अवसर दिया।

साइकिलिंग प्रशिक्षक प्रतीक मनोध्या का वैश्विक सीआई लेवेल एक्स कोचिंग कोर्स के लिए हुआ चयन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ के लिए यह अत्यंत गौरव एवं प्रेरणा का विषय है कि साइकिलिंग खेल से जुड़े युवा प्रशिक्षक श्री प्रतीक मनोध्या का चयन विश्व साइकिलिंग के सर्वोच्च एवं सबसे प्रतिष्ठित कोचिंग कार्यक्रम CI Level-x Coaching Course हेतु किया गया है। यह प्रशिक्षण स्विट्जरलैंड में आयोजित किया जा रहा है। साइकिलिंग कोचिंग के क्षेत्र में इसे विश्व का सर्वोच्च कोर्स माना जाता है।

श्री मनोध्या ने स्वयं राष्ट्रीय स्तर पर साइकिलिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी पहचान बनाई। इसके पश्चात उन्होंने नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स से साइकिलिंग कोचिंग में डिप्लोमा प्राप्त कर कोचिंग क्षेत्र में कदम रखा। वर्ष 2023 से वे साइकिलिंग एसोसिएशन

ऑफ छत्तीसगढ़ से जुड़कर भिलाई एवं छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच भी उन्होंने खिलाड़ियों को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण, अनुशासन एवं उच्च स्तरीय तैयारी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे, उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा अनेक खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित खेल अकादमियों में हुआ। खेल जगत में यह बात विशेष रूप से चर्चा का विषय रही है कि उन्होंने कई खिलाड़ियों को जीरो से हीरो बनाने का कार्य किया और नई प्रतिभाओं को पहचान दिलाई। उनकी मेहनत, समर्पण, तकनीकी ज्ञान एवं खिलाड़ियों को लगातार बेहतर मंच दिलाने के प्रयासों को देखते हुए उन्हें यह अवसर दिया गया है।

पुरानी गंज मंडी में आयोजित सुशासन शिविर में लाइसेंस से लेकर मैरिज सर्टिफिकेट के आवेदन

982 आवेदन : हितग्राहियों को मौके पर मिली राहत, समस्याओं का भी हुआ त्वरित निराकरण

■ प्रधानमंत्री आवास योजना बनी सहारा, हितग्राहियों को मंच से मिला स्वीकृति पत्र और आवास की चाबी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत पुरानी गंज मंडी में आयोजित सुशासन तिहार जनसमस्या निवारण शिविर में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाया गया। शिविर में विभिन्न विभागों से कुल 982 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 772 मांग एवं 210 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल रहे। शिविर के दौरान कई नागरिकों को मौके पर ही राहत प्रदान की गई। त्वरित निराकरण के तहत 35 ड्राइविंग लाइसेंस, 2 श्रवण यंत्र, 4 राशन कार्ड, 3 विवाह प्रमाण पत्र एवं 1 जन्म प्रमाण पत्र का तत्काल निराकरण कर हितग्राहियों को वितरण किया गया।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, महापौर अलका बाघमार, संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं सभापति श्याम शर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं की प्रगति एवं आवेदन निराकरण की स्थिति की जानकारी ली।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के बीच पहुंचकर योजनाओं पर प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है तथा समस्या निवारण शिविरों के माध्यम से अधिकारियों द्वारा लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

महापौर अलका बाघमार ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोग शिविरों में पहुंचकर अपनी समस्याओं का निराकरण कराएं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है तथा अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है।

शिविर में मंत्री गजेन्द्र यादव एवं महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने विभागीय अधिकारियों से आवेदन निराकरण की प्रगति की जानकारी ली। वहीं संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर एवं कलेक्टर अभिजीत सिंह ने भी विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र एवं आवास की चाबी प्रदान की गई। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए गए ।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 10 गर्भवती माताओं की गोदभराई रस्म संपन्न कराई गई। कार्यक्रम में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने एवं लाभान्वित करने पर विशेष जोर दिया गया।

बीएसपी के वित्त एवं लेखा विभाग में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी के 'वित्त एवं लेखा विभाग' में दिनांक 22 मई 2026 को मुख्य अतिथि प्रवीन निगम कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) तथा विशिष्ट अतिथि प्रमोद कुमार चोखानी, मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) की गरिमामयी उपस्थिति में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

श्री निगम ने कहा कि, कार्यशाला के माध्यम से हिंदी में काम करने में आने वाली कठिनाई का समाधान बताया जाता है, जो अत्यंत ही उपयोगी है। विभागीय कार्यों के लिए नोटशीट आदि में जहाँ तक संभव हो हिंदी में ही लिखें। जब भी कार्यालयीन कार्यों के लिए कलम उठाएँ अथवा टायपिंग करें, हिंदी का ही उपयोग करें। हमें हर दिन हिंदी का प्रयोग करना है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। हमारा संयंत्र हिंदी भाषी क्षेत्र में स्थित है, हमारे सभी कार्मिक हिंदी में वार्तालाप करते हैं, अत: हिंदी से हमारी कार्यदक्षता बढ़ती है।

इस अवसर पर राजीव कुमार, महाप्रबंधक (संपर्क, प्रशासन व जनसंपर्क एवं प्रभारी राजभाषा) ने कहा कि, हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कार्मिकों को हिंदी में काम करने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने राजभाषा विभाग सतत प्रयासरत है। वित्त एवं लेखा विभाग की सहभागिता हिंदी के समस्त कार्यक्रमों में होती है, जो बहुत ही सराहनीय है।

कार्यक्रम में महाप्रबंधकगण रजत रंजन जाना एवं प्रकाश कोलकोंडी, चन्द्रलता चन्द्राकर, प्रशासनिक सहायक, शिखा दीक्षित, प्रशासनिक सहायक सहित अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीएसपी जेएलएन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के बर्न यूनिट ने बचाई गंभीर रूप से झुलसे बालक की जिन्दगी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- बीएसपी के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के एडवांस बर्न केयर यूनिट ने लगभग 50 प्रतिशत तक झुलसे एक बाल मरीज का सफल उपचार कर अपनी विशेषज्ञता और समर्पण का परिचय दिया।

बर्न विभागाध्यक्ष एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. उदय धाबर्डे ने बताया कि अमेरिकन बर्न एसोसिएशन के अनुसार बच्चों में 20 प्रतिशत से अधिक तथा वयस्कों में 40 प्रतिशत से अधिक जलना अत्यंत गंभीर स्थिति मानी जाती है। संबंधित बाल मरीज कई दिनों तक अन्य अस्पतालों में उपचार के बाद

सेप्टीसीमिया की अवस्था में जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय लाया गया था। शरीर के साथ-साथ मलद्वार और मूत्रमार्ग के आसपास का हिस्सा भी गंभीर रूप से प्रभावित हो चुका था, जिससे संक्रमण तेजी से फैलने की आशंका बनी हुई थी।

ऐसी जटिल परिस्थिति में बर्न यूनिट की टीम ने केवल उपचार ही नहीं, बल्कि मरीज के संपूर्ण शारीरिक और मानसिक पुनर्वास पर कार्य किया। बार-बार ड्रेसिंग की आवश्यकता और असहनीय पीड़ा के बीच मरीज को हाई प्रोटीन एवं हाई फाइबर डाइट दी गई, वहीं नसों के माध्यम से पैरेंट्रल न्यूट्रिशन उपलब्ध कराया गया ताकि शरीर की रिकवरी प्रक्रिया को गति मिल सके। ड्रेसिंग के दौरान दर्द कम करने के लिए विशेष एनाल्जेसिक इंजेक्शन दिए जाते थे।

बच्चे के मानसिक तनाव को कम करने के लिए यूनिट में विशेष मानवीय वातावरण विकसित किया गया- प्ले हाउस में खिलौने, कार और मनोरंजन की व्यवस्था के साथ टीवी पर कार्टून फिल्में दिखाकर बच्चों का ध्यान दर्द से हटाने का प्रयास किया गया। इलाज के दौरान एक समय ऐसा भी आया जब बच्चे की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। शरीर सूज चुका था और सांस लेने में भी कठिनाई हो रही थी। संयोग से उसी दौरान बच्चे का जन्मदिन आया। बर्न यूनिट की टीम ने अस्पताल के भीतर ही केक, बैलून और सजावट के साथ उसका जन्मदिन मनाया। सुस्त पड़े बच्चे ने मोमबत्ती बुझाई, केक काटा और कुछ क्षणों के लिए उसके चेहरे पर मुस्कान लौट आई।

36वीं सीआईआई राष्ट्रीय कार्यकौशल स्पर्धा में भिलाई इस्पात संयंत्र का उत्कृष्ट प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-बीएसपी ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) पूर्वी क्षेत्र द्वारा 20 से 22 मई 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित 36वीं राष्ट्रीय कार्य कौशल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी तकनीकी दक्षता एवं कार्य कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र के कुल 7 प्रतिभागियों ने विभिन्न तकनीकी व्यवसायों में संयंत्र का प्रतिनिधित्व किया तथा उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए सभी 7 प्रतिभागियों ने पुरस्कार प्राप्त कर संयंत्र को गौरवान्वित किया।

भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम ने प्रतियोगिता में कुल 7 पुरस्कार

अर्जित किए, जिनमें 3 प्रथम पुरस्कार, 3 द्वितीय पुरस्कार एवं 1 तृतीय पुरस्कार शामिल हैं। प्रतिभागियों ने कारपेंटरी, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, पीएलसी एवं टर्नर जैसे विभिन्न तकनीकी व्यवसायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कारपेंटरी ट्रेड में राम सजन ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में अखिल कुमार राठौर ने प्रथम स्थान हासिल किया। फिटर ट्रेड में राजेंद्र कुमार नायक को प्रथम तथा इसी ट्रेड में प्रभूचरण जेना को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। पीएलसी श्रेणी में बी. वेंकटा अप्पाराव ने द्वितीय व कुन्द्रापू गणेश ने तृतीय तथा टर्नर ट्रेड में माझा हांसदा ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त कर भिलाई इस्पात संयंत्र का गौरव बढ़ाया।

साइकिल पर वार्ड भ्रमण : आयुक्त के साथ निकली अधिकारियों की टीम, किया निरीक्षण, निर्देश भी दिए

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। जोन 2 वैशाली नगर के अंतर्गत निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय द्वारा विभिन्न वार्डों और मुख्य मार्गों का साइकिल से सघन भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। सुबह-सुबह साइकिल पर निकले आयुक्त को देख जहां नागरिकों में कौतूहल रहा, वहीं प्रशासनिक अमला भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।

आयुक्त ने साइकिल से जोन-2 कार्यालय से शारदा विद्यालय रामनगर, गौरव पथ और गुरुनानक मार्केट होते हुए हेमु कालाणी चौक से गोल मार्केट, राम जानकी मंदिर और वैशाली नगर थाना होते हुए दशहरा मैदान हनुमान मंदिर तक बारीकी से निरीक्षण किए।

तत्पश्चात हनुमान मंदिर सड़क-9 से सेंट जेवियर्स स्कूल, शांति नगर होते हुए सद्भावना चौक, जीरो रोड होते हुए भगत सिंह चौक (सांस्कृतिक भवन) तक फिर भगत सिंह चौक से पूर्व विधायक (स्व. भसीन जी) सड़क मार्ग होते हुए वापस जोन-2 वैशाली नगर कार्यालय पर इस निरीक्षण दौरे का समापन हुआ।

भ्रमण के दौरान आयुक्त ने सड़कों की सफाई, नालियों की स्थिति और कचरा संग्रहण व्यवस्था का कड़ा मुआयना किया। असमाजिक लोगों द्वारा कचरा में आग लगाया गया था, जिसे आयुक्त ने तत्काल बुझाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वार्डों में नियमित साफ-सफाई और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रात:कालीन इस सायकल भ्रमण एवं वार्ड निरीक्षण के दौरान आयुक्त के साथ स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, जोन स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह सहित जोनल व वार्डों के स्वास्थ्य सुपरवाइजर गण मुख्य रूप से उपस्थित रहे और दिशा-निर्देशों को नोट किया।

किराए के मकान से छूटा पीछा, तामेश्वर को मिला अपना पक्का प्रधानमंत्री आवास

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शहर के निवासी तामेश्वर सिंह के लिए आज का दिन उनकी जिंदगी का सबसे यादगार दिन बन गया। हर आम नागरिक की तरह उनका भी सपना था कि उनका अपना एक मजबूत और सुरक्षित घर हो, जहाँ वे अपने परिवार के साथ सम्मान और सुकून से जीवन बिता सकें। लेकिन आर्थिक परेशानियों के चलते यह सपना वर्षों तक अधूरा ही रहा। किराए के मकान में रहने के दौरान उन्हें कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मकान मालिक की शर्तों और मकान खाली कराने के डर के बीच परिवार के साथ जीवनयापन आसान नहीं था। छोटी-छोटी बातों पर भी हमेशा चिंता बनी रहती थी कि कहीं रहने का ठिकाना न छूट जाए। 23 मई को आयोजित सुशासन शिविर में मुख्य अतिथियों केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, महापौर अलका बाघमार द्वारा संभागयुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा एवं जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मंच से तामेश्वर सिंह को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नए पक्के मकान की चाबी और स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

जलदूत ऐप से गांव-गांव में भू-जल निगरानी का नवाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण एवं भू-जल प्रबंधन को मजबूत बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल के तहत अब गांव-गांव में डिजिटल माध्यम से भू-जल स्तर की निगरानी की जा रही है। भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार बलरामपुर जिले में जलदूत ऐप के माध्यम से भू-जल स्तर मापन एवं डाटा अपलोड करने हेतु व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर के नेतृत्व एवं जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में सभी जनपद पंचायतों के ग्राम रोजगार सहायकों, तकनीकी सहायकों एवं पंचायत सचिवों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से ग्राम पंचायतों के खुले कुओं का प्री-मानसून 2026 का वास्तविक भू-जल डाटा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज करने की प्रक्रिया समझाई गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि जलदूत ऐप के जरिए हर वर्ष मानसून से पहले और बाद की स्थिति का डाटा संकलित किया जाता है, जिससे भू-जल स्तर में होने वाले बदलावों का वैज्ञानिक आकलन संभव हो सके। अधिकारियों ने मापन की एकरूपता बनाए रखने के लिए एक ही बिंदु से जल स्तर की गहराई मापने, मेजरिंग टेप के उपयोग तथा वास्तविक आंकड़ों के संकलन पर विशेष जोर दिया।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 हेतु नामांकन आमंत्रित

रायपुर। बच्चों की असाधारण प्रतिभा और उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रतिवर्ष भारत के राष्ट्रपति द्वारा उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष नामांकन प्रक्रिया 31 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी। 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसी श्रेणियों में उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता दी जाएगी। विभाग ने बताया कि इच्छुक बच्चे, अभिभावक, संस्थाएं अथवा अन्य व्यक्ति योग्य बच्चों का नामांकन कर सकते हैं। स्व-नामांकन की सुविधा भी उपलब्ध है।

पीएम सूर्यघर योजना से रोशन होंगे बैगा आवास

रायपुर। राज्य शासन की मंशा है कि विशेष पिछड़ी जनजातियों का उत्थान सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाए। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम जनमन योजना लागू की गई है, ताकि विशेष पिछड़ी जनजातियों का सर्वांगीण विकास हो और उनके जीवन में बुनियादी सुविधाओं की स्थायी पहुंच बन सके। शासन का सतत प्रयास है कि जनजातीय अंचलों में पानी, बिजली, सड़क, राशन, पेंशन और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत निर्मित बैगा आवासों को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित किया जाए।

प्रशासन में एआई के प्रयोग से पारदर्शिता के साथ ही घर बैठे समस्या का शीघ्र निदान हुआ संभवः सोनमणि बोरा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 अंतर्गत आदिम जाति विकास विभाग अंतर्गत आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आज राज्य स्तरीय एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में पद्मश्री अजय मंडावी की गरिमामयी उपस्थिति रही। आदिम जाति विकास विभाग के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि प्रशासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं प्रौद्योगिकी के प्रयोग से पारदर्शिता, समय की बचत एवं घर बैठे समस्या का शीघ्र निदान संभव हुआ है।

जनजातीय विकास में एआई और नई तकनीकों की भूमिका पर हुआ मंथन

छत्तीसगढ़ जनजाति संग्रहालय एवं शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय में बड़े पैमाने पर डिजिटल टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया गया है। बड़े पैमाने पर डिजिटल तकनीक के प्रयोग में छत्तीसगढ़ देश में अग्रणी राज्य है।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा कि एआई का प्रयोग पारंपरिक ज्ञान को संजोने, रिमोट एरिया में स्वास्थ्य सुधार, लघु वनोपजों एवं कृषि मंडियों के डिजिटलीकरण, स्थानीय भाषाओं में शिक्षा, कौशल विकास, सरकारी योजनाओं की अधिक सुगमता से जानकारी एवं लाभ इत्यादि में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जनजातीय विकास में एआई का प्रयोग बहुत तेजी से बढ़ रहा है। परन्तु एआई मनुष्य की संवेदनशील मानसिकता की प्रतिकृती नहीं कर सकती है। अतः आवश्यकता एवं उपयोगिता के आधार पर जनजातीय क्षेत्र में एआई का प्रयोग किए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सबसे दूर, सबसे पहले के ध्येय वाक्य को सार्थक करना है।

संगोष्ठी में पद्मश्री श्री अजय मंडावी ने कांकेर जेल मे बंद नक्सल आदिवासियों पर किए जा रहे उनके कौशल विकास के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इनमें से 08 कैदियों द्वारा वंदे मातरम पर किए गए कार्य को लिम्का बुक ऑफवर्ल्ड रिकार्ड में शामिल किया गया है। उन्होंने सरकार को इनकी प्रतिभा पर ध्यान देने का आग्रह किया और कहा कि यदि ईमानदारी के साथ कार्य किया जाए तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी से जनजातीय विकास के क्षेत्र में क्रांति लाई जा सकती है।

टीआरटीआई के संचालक हीना अनिमेष नेताम ने कार्यशाला के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर अपर संचालक संजय गौढ़, संयुक्त संचालक गायत्री नेताम मौजूद रही। वहीं वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेशभर के सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास तथा परियोजना प्रशासक जुड़े थे।

एनआईसी डायरेक्टर के सत्येश शर्मा ने संगोष्ठी में बताया कि यूज ऑफटेक्नेलॉजी और सर्विस डिलवरी देना दोनों अलग-अलग तथ्य है और चुनौती भी है। उन्होंने बताया कि टेक्नेलॉजी के क्षेत्र में गुणवत्तायुक्त डाटा संग्रहण प्रमुख पहलु है। उन्होंने डेटा का वेरिफिकेशन करने के साथ-साथ डेटा की कमी को पूरा करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डेटा का सलेक्शन सही नहीं होने पर सर्विस डिलवरी में भी समस्या आएगी। उन्होंने बताया कि अगर डेटा का इनपुट सही नहीं होने से परिणाम बायस्ड् आती हैं। उन्होंने कहा कि यदि एआई मशीन में आएगा तो सारा डिसीजन मशीन ही लेने लगेगा और हमें रिप्लेस करने की कोशिश करना होगा। आईआईएम के अमित कुमार जनजातीय उद्यमिता एवं स्टॉर्टअप में एआई का उपयोग करने के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने एआई के प्रयोग में स्थानीय लेग्वेंज को सबसे बढ़ी बाधा बताया। उन्होंने वास्तविक परिणाम के लिए बोली-भाषा के ज्ञान पर बल दिया। उन्होंने स्थानीय लोगों में टेक्नोलॉजी के प्रति जागरूक तथा अनेक स्तर पर डिजिटल प्लेटफॉर्म की उपलब्धता हेतु शासकीय स्तर पर भी अभियान चलाने के सुझाव दिए। समर्थन संस्था से देवीदास निम्जे ने कहा कि यदि हम स्थानीय स्तर पर एक गांव की बात करें तो किसान को खेती के संबंध में सब कुछ पता होता है, किन्तु नई तकनीकी की जानकारी के अभाव में गांव के दो-तीन लोगों पर ही केन्द्रित होना पड़ता है। उन्होंने जनजातीय समुदाय के लोगों विशेषकर टेक्नोलॉजी के प्रति जागरूक करते हुए नेटवर्क बढ़ने पर बल दिया।

डॉ. राकेश त्रिपाठी ने संगोष्ठी में एआई से स्थानीय ज्ञान को बढ़ाने, ज्ञान सैद्धान्तिक इस्तेमाल करने के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्थानीय भाषा ज्ञान को सुदृढ़ कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एआई के माध्यम से अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है।

आईआईआईटी नवा रायपुर के डॉ. रामाकृष्ण ने ड्रॉपआउट और पास पर्सनल, क्वालिटी ऑफटीचिंग और लर्निंग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने डेटा मेनटेन करने साथ-साथ आम आदमी तक टेक्नोलॉजी की पहुंच पर जोर दिया। उन्होंने एआई युजर को प्रोटेक्ट करने बायस्ड् इंफॉरमेशन न मिले इस पर भी अपना विचार व्यक्त किया।

स्वामित्व से संपत्ति का अधिकार, बिहान से आत्मनिर्भरता की राहः कोसरंगी चौपाल में ग्रामीण विकास की दिखी तस्वीर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत आरंग विकासखंड के ग्राम कोसरंगी पहुंचकर ग्रामीण विकास, आर्थिक सशक्तिकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी प्रगति का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने चौपाल कार्यक्रम में स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को पट्टे वितरित कर उन्हें वैधानिक अधिकार प्रदान किए, वहीं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत संचालित आजीविका सेवा केंद्र का निरीक्षण कर महिलाओं की आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री साय ने चौपाल को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीणों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से आबादी भूमि और संपत्ति का आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को अपनी जमीन और मकान पर कानूनी अधिकार प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल पट्टा वितरण नहीं, बल्कि ग्रामीणों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संपत्ति का वैधानिक अधिकार मिलने से ग्रामीणों को बैंक से ऋण लेने में सुविधा होगी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज सहजता से उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार गांवों में रहने वाले प्रत्येक परिवार को सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा और विकास के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वामित्व योजना के तहत छह हितग्राहियों को पट्टे वितरित किए। पट्टा प्राप्त करने के बाद हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों बाद उन्हें अपनी संपत्ति का वैधानिक अधिकार मिला है, जिससे भविष्य अधिक सुरक्षित हुआ है और योजनाओं का लाभ प्राप्त करना आसान होगा। मुख्यमंत्री साय ने इसके बाद ग्राम कोसरंगी में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत संचालित आजीविका सेवा केंद्र का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने बिहान समूह से जुड़ी महिलाओं से आत्मीय संवाद करते हुए केंद्र की गतिविधियों, आय-व्यय तथा रोजगार सृजन से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली।

समूह की अध्यक्ष श्रीमती गीता वर्मा ने मुख्यमंत्री को बताया कि केंद्र में हल्दी-मिर्ची प्रसंस्करण, गेहूं पिसाई, धान बीज क्रय-विक्रय सहित विभिन्न ग्रामीण आजीविका गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिससे समूहों को नियमित आय प्राप्त हो रही है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बिहान जैसी पहलें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बना रही हैं। उन्होंने समूह की महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए आजीविका गतिविधियों को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन-प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहा है और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने की अपील करते हुए कहा कि सरकार जनता के हित और समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, संभागायुक्त श्याम धावड़े, कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सुशासन तिहार का असरः ग्रामीणों की समस्या का त्वरित समाधान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सुशासन तिहार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। शासन की संवेदनशील कार्यशैली और जनसमस्याओं के शीघ्र निराकरण का सकारात्मक असर अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

रायगढ़ जिले के ग्राम चपले के बयांग चौक में ट्रांसफार्मर खराब होने से पूरे क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था प्रभावित हो गई थी। भीषण गर्मी के बीच बिजली आपूर्ति बाधित होने से ग्रामीणों को पेयजल सहित दैनिक कार्यों में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

ग्रामीणों ने समस्या की जानकारी वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी को दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने तत्काल विद्युत विभाग के अधिकारियों को नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराकर शीघ्र बिजली व्यवस्था बहाल करने के निर्देश दिए।

मंत्री चौधरी के निर्देश मिलते ही अवकाश के दिन भी विद्युत विभाग की टीम सक्रिय हो गई और युद्ध स्तर पर कार्य प्रारंभ किया गया। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लगभग 24 से 30 घंटे के भीतर नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी।

बिजली व्यवस्था सुचारू होने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली तथा शासन-प्रशासन और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से अब गांव स्तर पर भी समस्याओं का तेजी से समाधान हो रहा है और शासन की संवेदनशीलता सीधे जनता तक पहुंच रही है।

बेहतर विभागीय समन्वय से कार्यों में लाएं तेजी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज मुंगेली जिले का दौरा कर निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण और समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ फील्ड में उतरकर निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। श्री बंसल ने निर्माणाधीन लोरमी बायपास सड़क का निरीक्षण कर विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों को इसे समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विभागीय सचिव ने मुंगेली सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और तेजी दोनों सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इनमें कोई कोताही नहीं बरती जाए। उन्होंने नगरीय निकायों तथा अन्य विभागों से समन्वय के साथ सड़क निर्माण के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने खराब सड़कों में पैच-वर्क कराने भी कहा।

श्री बंसल ने सुगम यातायात को शासन की प्राथमिकता बताते हुए गांवों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए प्रस्ताव तैयार कर तत्काल शासन को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने फील्ड का नियमित दौरा कर चल रहे कार्यों का बारीकी से निरीक्षण कर गुणवत्ता और समय-सीमा में कार्य पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

'प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम' पंजीयन शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दंतेवाड़ा। माई भारत और जिला प्रशासन, दंतेवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में आज जिला स्तरीय प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम पंजीयन शिविर का शानदार और सफल आयोजन किया गया। यह विशेष शिविर स्थानीय और संभाग के युवाओं को सीधे औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ने और उन्हें उत्कृष्ट रोजगारपरक व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में केंद्र व राज्य सरकार की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावी पहल साबित हुआ है।

इस वृहद पंजीकरण शिविर में न केवल दंतेवाड़ा, बल्कि पड़ोसी जिलों यथा बीजापुर, सुकमा एवं बस्तर से भी 450 से अधिक ऊर्जावान युवाओं ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान युवाओं ने राष्ट्रीय खनिज विकास निगम की किरंदुल एवं बचेली परियोजनाओं में उपलब्ध कुल 142 प्रतिष्ठित इंटर्नशिप पदों के लिए अपनी योग्यता के अनुसार डिजिटल और भौतिक माध्यम से आवेदन जमा किए। उल्लेखनीय है कि यह गरिमामयी आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य में जिला प्रशासन एवं माई भारत की केंद्रीय टीम के आपसी समन्वय द्वारा किसी भी जिले में आयोजित किया गया सबसे पहला 'जिला स्तरीय पंजीयन शिविर' है। इस ऐतिहासिक पहल के माध्यम से बस्तर संभाग के दूरस्थ अंचलों के स्थानीय युवाओं को एनएमडीसी जैसी नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी की किरंदुल एवं बचेली परियोजनाओं में आधुनिक उद्योग का जीवंत व व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का सीधा स्वर्णिम अवसर हासिल होगा।

शिविर की नियमावली के अनुसार, अंतिम रूप से चयनित युवाओं को एनएमडीसी में कुल 9 माह की सशुल्क इंटर्नशिप करने का विशेष अवसर प्राप्त होगा। इसके अंतर्गत चयनित प्रशिक्षुओं को वित्तीय प्रोत्साहन के रूप में ?6 हजार का एकमुश्त जॉइनिंग बोनस तथा 9 हजार प्रतिमाह का आकर्षक स्टाइपेंड (मानदेय) प्रदान किया जाएगा।

ई-ऑफिस से सुशासन को नई रफ्तारः अब हर फाइल होगी डिजिटल

श्रीकंचनपथ समाचार

ग्रीन ऑफिस की दिशा में बड़ा कदम, ईंधन की बचत और पारदर्शिता बढ़ाने पर वन मंत्री केदार कश्यप का जोर

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार प्रशासनिक कार्यप्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने अपने कार्यालय के सभी दैनिक प्रशासनिक कार्यों, फाइलों के संचालन और पत्राचार को पूरी तरह ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से संचालित करने का निर्णय लिया है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि अब तक विभिन्न विभागों से अनुमोदन के लिए फाइलें ई-ऑफिस के माध्यम से मंत्री कार्यालय तक पहुंचती थीं। अब इस व्यवस्था का विस्तार करते हुए मंत्री कार्यालय से जारी होने वाली सभी फाइलें, आदेश और डाक प्रेषण भी पूरी तरह डिजिटल कर दिए गए हैं। इसके साथ ही, कार्यालय का संपूर्ण पत्राचार अब अनिवार्य रूप से ऑनलाइन प्रणाली द्वारा ही निष्पादित किया जाएगा।

ग्रीन ऑफिस संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण

वन मंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल प्रशासनिक सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रीन ऑफिस संस्कृति को बढ़ावा देना भी है। फाइलों और दस्तावेजों के भौतिक परिवहन में कमी आने से सरकारी वाहनों का उपयोग घटेगा, ईंधन की भारी बचत होगी, कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

श्री कश्यप ने कहा कि डिजिटल कार्यप्रणाली, ऑनलाइन बैठकों, ऊर्जा दक्षता और संसाधनों के इष्टतम उपयोग जैसे कदम शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और पर्यावरण-हितैषी बनाएंगे। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता को भी मजबूती मिलेगी।

मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस का संकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस के मूल मंत्र के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार तकनीक-आधारित सुशासन को लगातार बढ़ावा दे रही है। उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग जनकल्याण, विकास कार्यों और दूरस्थ क्षेत्रों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने में करना है।

सामूहिक जिम्मेदारी का आह्वान

वन मंत्री कश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रशासनिक तंत्र को आधुनिक और ईको-फ्रेंडली बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय सेवक ई-ऑफिस प्रणाली और मितव्ययिता संबंधी निर्देशों को सकारात्मक सोच के साथ अपनाएं। संसाधनों की बचत और पर्यावरण संरक्षण केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

ग्रैंड पेरेंट्स के रिटायर होने की सोच को गलत मानती हैं रुबीना दिलैक

बोलीं- बच्चों की परवरिश में इनका अहम योगदान

अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने अपनी जुड़वां बेटियों जीवा और ईधा की परवरिश को लेकर उठ रही आलोचनाओं का जवाब दिया है। रुबीना ने कहा कि समाज में यह धारणा फैली हुई है कि दादा-दादी को रिटायर होकर अपनी जिंदगी जीनी चाहिए, लेकिन उनके माता-पिता इस सोच से पूरी तरह असहमत हैं और मेरा भी मानना है कि बच्चों कि परवरिश में उनका योगदान महत्वपूर्ण है।

रुबीना ने बताया कि उनकी बेटियां फिलहाल शिमला में उनके माता-पिता के पास रह रही हैं, जबकि वह मुंबई में अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को निभा रही हैं। कई लोग सोशल मीडिया पर यह सवाल उठा रहे थे कि सीनियर सिटीजन माता-पिता को पोतियों की देखभाल की बजाय अपनी जिंदगी पर ध्यान देना चाहिए।

रुबीना ने इस आलोचना का जवाब देते हुए कहा, समाज कहता है कि दादा-दादी या नाना -नानी को अब रिटायर होकर अलग से अपनी जिंदगी का आनंद चाहिए, लेकिन मेरे माता-पिता या सास-ससुर इस सोच से सहमत नहीं हैं। वे अपनी मर्जी से हमें सपोर्ट करना चाहते हैं और बच्चों के साथ रहना चाहते हैं। जब वे खुद इसमें खुश हैं, तो बाहरी लोगों की इन बातों से फर्क नहीं पड़ता, उन्हें जो भी कहना है, कहने दो।

अभिनेत्री ने अपनी मां के बारे में बताते हुए कहा कि सीनियर सिटीजन होने के बाद भी उनकी मां को नई जिंदगी और नया मकसद मिला है। उन्होंने बताया, मेरी मां कहती हैं कि जब वह जीवा और ईधा की आंखों में देखती हैं, तो उन्हें लगता है कि उन्हें दूसरी जिंदगी मिल गई है। वे इस समय को अपनी पोतियों को पालने-पोसने में लगाना चाहती हैं।

रुबीना ने पति अभिनव शुक्ला के माता-पिता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि उनके ससुराल वाले जब भी जरूरत पड़ती है, लुधियाना से मुंबई आकर बच्चों की देखभाल में मदद करते हैं। रुबीना ने परिवार के समर्थन पर कहा, मुझे अपने परिवार खासकर अभिनव से बहुत सपोर्ट मिलता है। मेरी जो भी उपलब्धियां हैं, वे उनकी वजह से हैं। अभिनव मुझसे ज्यादा बेटियों का ख्याल रखते हैं, मेरी मां उनका ध्यान रखती हैं और ससुराल वाले भी बच्चों के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। मैं बहुत शुक्रगुजार हूं।

राम चरण की पेड्डी में धमाकेदार डांस से रंग जमाएंगी श्रुति हासन, गाने का प्रोमो जारी

सुपरस्टार राम चरण अपनी आगामी फिल्म पेड्डी को लेकर खूब चर्चा बटोर रहे हैं। जब से निर्माताओं ने ट्रेलर जारी किया है, तब से फैंस ही नहीं बल्कि सितारे भी फिल्म की रिलीज के लिए बेसब्र हैं। अब यह उत्साह और बढ़ जाएगा क्योंकि फिल्म में शामिल आइटम नंबर का प्रोमो वीडियो जारी किया गया है। गाने का नाम हेलअल्लालो है, जिसमें राम के श्रुति हासन को जबरदस्त डांस करते हुए देखा जा सकता है।

हेलअल्लालो गाने में राम और श्रुति के अलावा, जाह्नवी कपूर भी अपने डांस का तड़का लगाती दिखती हैं जो फिल्म की मुख्य अभिनेत्री हैं। गाने को संगीत एआर रहमान ने दिया है और इसे टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है। हालांकि पूरे गाने का वीडियो 23 मई को आधिकारिक तौर पर रिलीज किया जाएगा। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित यह फिल्म 4 जून को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं के साथ रिलीज हो रही है।

इस फिल्म में राम केवल अभिनय नहीं कर रहे, बल्कि एक मजदूर वर्ग के आदमी के जीवन को पूरी तरह से जी रहे हैं।

पेड्डी में उनके लुक की बात करें तो उनके बिखरे बाल और मिट्टी से सना चेहरा साफ दिखाई देता है। यह फिल्म बड़े-बड़े पैन-इंडिया प्रोजेक्ट्स से अलग है, जो सिर्फ चमक-धमक दिखाने के बजाय जीवन के संघर्षों और स्थानीय संस्कृति की सच्ची कहानियों पर ध्यान देती है।

यह फिल्म राम की अभिनय क्षमता की गहराई को दर्शाती है और ग्रामीण जीवन के भावनात्मक पक्ष को उजागर करती है।

अंतरात्मा की आवाज पर चुना लुटेरी दुल्हन में ग्रे शेड वाला किरदार : सान्विका

वेब सीरीज पंचायत में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज लुटेरी दुल्हन में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया। अभिनेत्री से पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?

इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं।

सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं लुटेरी दुल्हन थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।

अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है।

आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।

पर्याप्त पानी पीने के बावजूद शरीर हो सकता है डिहाइड्रेट, जानें इसके 5 संकेत

डिहाइड्रेशन तब होता है जब शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है। यह आमतौर पर गर्म मौसम, शारीरिक मेहनत या अधिक शराब पीने से होता है। कई लोग यह सोचते हैं कि पर्याप्त पानी पीने से वे डिहाइड्रेशन से बच सकते हैं, लेकिन यह हमेशा सही नहीं होता। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताएंगे, जो यह दर्शाते हैं कि आप पर्याप्त पानी पीने के बाद भी डिहाइड्रेशन का शिकार हो गए हैं।

मुंह का सूखापन या थकान होना

अगर आपको अक्सर मुंह का सूखापन या थकान महसूस होती है तो यह डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है, भले ही आप पर्याप्त पानी पी रहे हों। यह समस्या विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक मेहनत के बाद होती है। इसके लिए आप इलेक्ट्रोलाइट्स वाले पेय का सेवन कर सकते हैं, जो आपके शरीर को पानी से भरपूर रख सकते हैं। इसके अलावा फ्ल और सब्जियों का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

पेशाब का रंग गहरा होना

पेशाब का रंग गहरा होना भी डिहाइड्रेशन का एक मुख्य संकेत हो सकता है। अगर आपका पेशाब हल्का पीला या सफेद नहीं है तो इसका मतलब है कि आपका शरीर पर्याप्त पानी नहीं ले रहा है। इस स्थिति में आपको तुरंत अधिक पानी पीना चाहिए, ताकि आपका शरीर पानी से भरपूर रह सके। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी ले सकते हैं, जो आपके शरीर को पानी से भरपूर रखने में मदद करेगा।

सिरदर्द होना

अगर आपको बिना किसी कारण के सिरदर्द होता है तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक संकेत हो सकता है। यह समस्या विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक मेहनत के बाद होती है। इसके लिए आप ठंडे पानी का सेवन कर सकते हैं, जो आपके दिमाग को ठंडक देगा और दर्द को कम करेगा। इसके अलावा आप ठंडे पेय पदार्थों का सेवन भी कर सकते हैं, जो आपको पानी से भरपूर रखेंगे और सिरदर्द को दूर करेंगे।

थकान महसूस होना

अगर आपको लगातार थकान महसूस हो रही है तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक मुख्य संकेत हो सकता है। यह समस्या विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक मेहनत के बाद होती है। इसके लिए आप ठंडे पानी का सेवन कर सकते हैं, जो आपके शरीर को ताजगी देगा और थकान को कम करेगा। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी ले सकते हैं, जो आपके शरीर को पानी से भरपूर रखेगा।

त्वचा का रूखा होना

अगर आपकी त्वचा सूखी और बेजान लग रही है तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक संकेत हो सकता है। इसके लिए आप नियमित रूप से पानी पिएं, ताकि आपकी त्वचा में नमी बनी रहे और वह स्वस्थ दिखे। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी ले सकते हैं, जो आपकी त्वचा को पानी से भरपूर रखेगा और उसे ताजगी देगा। इन सभी तरीकों से आप अपने शरीर को पानी से भरपूर रख सकते हैं।

शर्ट के कॉलर पर लगे जिद्दी दागों को साफ करने के लिए अपनाएं ये 5 सुझाव

शर्ट के कॉलर पर अक्सर पसीने और गंदगी के जिद्दी दाग लग जाते हैं, जो आसानी से नहीं हटते। इन दागों के कारण शर्ट की चमक फीकी पड़ जाती है और वह गंदी दिखने लगती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी शर्ट के कॉलर को नए जैसा बना सकते हैं और इन दागों को आसानी से हटा सकते हैं। ये तरीके बिना ज्यादा मेहनत के अपनाए जा सकते हैं।

बेकिंग सोडा और नींबू का मिश्रण लगाएं

बेकिंग सोडा और नींबू का मिश्रण एक बेहतरीन घरेलू उपाय है, जिससे आप शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को आसानी से हटा सकते हैं। इसके लिए बेकिंग सोडा में नींबू का रस मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें और उसे दाग वाली जगह पर लगाएं। कुछ मिनट बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग आसानी से हट जाएंगे और शर्ट का कॉलर नया जैसा दिखेगा।

सिरके और साबुन का मिश्रण आजमाएं

सिरके और साबुन का मिश्रण भी शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक कपड़े पर साबुन लगाएं, फिर उस पर सिरका डालें और उसे कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे ब्रश से रगड़कर पानी से धो लें। इससे दाग पूरी तरह हट जाएगा और शर्ट का कॉलर फिर से साफ-सुथरा दिखेगा। यह तरीका न केवल प्रभावी है, बल्कि आपके कपड़ों को भी नया जैसा बनाए रखता है।

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड का करें इस्तेमाल

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड एक शक्तिशाली सफाई का साधन है, जो शर्ट के कॉलर से जिद्दी दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए कपड़े पर हाइड्रोजन पेरॉक्साइड लगाएं और कुछ मिनट छोड़ दें, फिर इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग पूरी तरह हट जाएगा और शर्ट का कॉलर फिर से साफ-सुथरा दिखेगा। इस तरीके से आप अपने कपड़ों को नया जैसा बनाए रख सकते हैं।

बेकिंग सोडा और पानी का घोल बनाएं

बेकिंग सोडा और पानी का घोल बनाकर उसे दाग वाली जगह पर लगाएं और कुछ मिनट छोड़ दें। इससे दाग नरम हो जाएगा और आसानी से हट जाएगा। इसके बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इस तरीके से न केवल दाग हटेंगे, बल्कि शर्ट का कॉलर नया जैसा दिखेगा। यह तरीका बहुत ही सरल और प्रभावी है, जिसे आप आसानी से अपना सकते हैं और अपने कपड़ों को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

डिटर्जेंट और पानी का घोल लगाएं

डिटर्जेंट और पानी का घोल भी शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए डिटर्जेंट को पानी में मिलाकर एक घोल तैयार करें, फिर उसे दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपनी शर्ट के कॉलर को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

करुप्पु महज एक हफ्ते में वर्ल्डवाइड हुई 200 करोड़ के पार, बनी सूर्या के करियर की सबसे बड़ी फिल्म

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म करुप्पु को सिनेमाघरों में दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है, इस एक्शन-कॉमेडी फैंटेसी फिल्म ने धमाकेदार शुरुआत की थी और इसके बाद इसने वीकेंड पर बंपर कमाई की। और अब रिलीज के महज 7 दिन में ये फिल्म सूर्या के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई है। चलिए यहां करुप्पु का 7वें दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन जानते हैं।

करुप्पु सूर्या के करियर के लिए एक संजीवनी साबित हुई है। एक्टर की पिछली कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई थी। ऐसे में अब करुप्पु ने एक्टर की अदद हिट की ख्वाहिश पूरी कर दी है। बता दें कि मेकर्स ने अब ऑफिशियली अनाउंस किया है कि करुप्पु ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 207 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इससे पहले, फिल्म ने रिलीज के सिर्फ तीन दिनों में 147 करोड़ रुपये कमाए थे, इस उपलब्धि के साथ, करुप्पु सूर्या के करियर की पहली फिल्म बन गई है जिसने एक हफ्ते के भीतर 200 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री की है।

खबरों के अनुसार, यह फिल्म केरल में सूर्या की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। ट्रेड एनालिस्टों का मानना है कि स्ट्रॉन्ग वर्ड ऑफ माउथ के चलते आने वाले दिनों में फिल्म का कलेक्शन और बढ़ सकता है।

खास खबर

जनजातीय गरिमा उत्सव बना ग्रामीणों के लिए सुविधा का सशक्त मंच

रायपुर। शासन की मंशानुरूप सबसे दूर, सबसे पहले की थीम पर प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में जनजातीय गरिमा उत्सव एवं जनभागीदारी अभियान के तहत लगातार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में बलरामपुर जिला के विकासखंड कुसमी के नीलकंठपुर, रामचंद्रपुर के त्रिशुली तथा राजपुर के लाऊ में शिविर आयोजित किए गए, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए। शिविरों में स्वास्थ्य परीक्षण, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, श्रम कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, पेंशन एवं राजस्व संबंधी सेवाएं प्रदान की गईं। नीलकंठपुर शिविर में 400 से अधिक ग्रामीण शामिल हुए, जहां स्वास्थ्य जांच, श्रम कार्ड वितरण, अन्नप्राशन एवं गोदभराई कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं त्रिशुली शिविर में आधार कार्ड, जाति-निवास प्रमाण पत्र, पशु चिकित्सा सेवाएं एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ दिया गया। राजपुर जनपद पंचायत के लाऊ में आयोजित शिविर में विशेष पिछड़ी जनजातीय पहाड़ी कोरवा परिवारों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविरों में जनसुनवाई के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण भी किया गया।

विश्व जैव विविधता दिवस पर बीजापुर में भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर। विश्व जैव विविधता दिवस के अवसर पर बीजापुर वन मंडल द्वारा इंद्रावती टाइगर रिजर्व एवं नोवा नेचर वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से तेंदूपत्ता हॉल, बीजापुर में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और आम नागरिकों को जैव विविधता संरक्षण तथा पर्यावरण संवर्धन के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में स्वामी आत्मानंद विद्यालय, बीजापुर के समर कैंप के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने चित्रकला, स्वरचित कविता पाठ और ज्ञानवर्धक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां (नृत्य) प्रतियोगिताओं के माध्यम से पर्यावरण और जैव विविधता बचाने का सशक्त संदेश दिया। नोवा नेचर वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव बोर्ड के सदस्य एम. सूरज ने क्षेत्र में पाए जाने वाले संकटग्रस्त जीवों (जैसे- ऊदबिलाव, वनभैंसा, दुर्लभ सर्प) पर आधारित वीडियो फिल्म दिखाकर लोगों को वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक किया। सेवानिवृत्त कृषि विकास अधिकारी एवं जैव विविधता विशेषज्ञ बी. राव गोडबोले ने स्थानीय औषधीय पौधों के महत्व और उनके पारंपरिक उपयोगों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने बीजापुर क्षेत्र में पाए जाने वाले दुर्लभ पौधों के बीजों का नि:शुल्क वितरण भी किया। इंद्रावती टाइगर रिजर्व के उप संचालक संदीप बलागा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कहा कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जैव विविधता का संरक्षण और उसका सतत उपयोग आज बेहद आवश्यक है।

जनता की सेवा हमारा परम धर्म- उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुन मौके पर किया निराकरण, जनसमस्या निवारण शिविर में बी-1, खसरा और ऋण पुस्तिका दस्तावेजों का निःशुल्क वितरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। हम सभी जनता के सेवक हैं और जनता के कार्य करना हम सबकी जिम्मेदारी है। किसानों और ग्रामीणों के छोटे-छोटे कार्यों को संवेदनशीलता के साथ समय पर पूरा किया जाना चाहिए। राजस्व से जुड़े मामलों को लंबित नहीं रखा जाना चाहिए और निर्विवाद प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उक्त वक्तव्य उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के ग्राम खड़ौदाकला में आयोजित सुशासन तिहार में दिए।

उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याएं और मांगें सुनीं, आवेदन प्राप्त किए तथा अनेक आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का संवेदनशीलता और तय समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा करना हमारा परम धर्म है और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सुशासन का उद्देश्य हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामीणों को जानकारी देते हुए बताया कि सुशासन तिहार शिविर में बी-1, खसरा और ऋण पुस्तिका जैसी आवश्यक दस्तावेज नि:शुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने ग्राम सचिवों को निर्देशित किया कि पंचायतों में इसकी मुनादी कराई जाए ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिल सके और वे इसका लाभ उठा सकें। प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गठन के बाद पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख परिवारों को आवासों की स्वीकृति दी गई थी। उन्होंने बताया कि आज के शिविर में शामिल 26 ग्राम पंचायतों के 4 हजार से अधिक हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति मिली है। उन्होंने आवास निर्माण में गुणवत्ता और पारदर्शिता पर जोर देते हुए कहा कि इसके निर्माण में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि जिले के अनेक गांवों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां महिलाएं, बुजुर्ग और ग्रामीण अपने गांव में ही विभिन्न योजनाओं की राशि निकाल पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 27 किस्तों में 27 हजार रुपए महिलाओं के खातों में पहुंचाए जा चुके हैं, जिनकी राशि अब ग्रामीण अपने गांव में ही निकाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांवों के स्कूलों में स्मार्ट क्लास की शुरुआत की गई है, जहां डिजिटल माध्यम और 3 डी एनिमेशन से बच्चों को पढ़ाई कराई जा रही है। दिव्यांगजनों को गतिशील बनाने के लिए स्कूटी प्रदान की जा रही है। महिलाओं की बैठकों के लिए महतारी सदन और युवाओं में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 8.10 करोड़ रुपए की लागत से छीरपानी जलाशय से जुड़ी राम्हेपुर वितरक नहर एवं संबद्ध माइनर नहरों के सीसी लाइनिंग कार्य शुरू कर दिया गया है। इस परियोजना के पूरा होने पर 1540 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी और मानिकपुर, सिल्हाटी, बघर्रा, सारंगपुर कला, सिंधनुपरी एवं राम्हेपुर कला सहित 6 गांवों के किसान सीधे लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा छिरपानी नहर विस्तार के लिए 50 करोड़ रुपए की घोषणा भी की गई है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विशेष पिछड़ी जनजातियों के गांवों तक सड़क और आवास जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई गई हैं। उन्होंने कहा कि कबीरधाम जिले के बैगा समुदाय तक अब सड़क संपर्क पहुंच चुका है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि वनांचल क्षेत्रों का समुचित विकास और मूलभूत सुविधाओं की सहज पहुंच सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि 100 करोड़ रुपए की लागत वाली कुसुमघटा-बैजलपुर-राजानवांगांव समूह जल प्रदाय योजना से 66 गांवों तक पेयजल पहुंचाया जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

कृषि महाविद्यालय का 66वां स्थापना दिवस मनाया गया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कृषि महाविद्यालय रायपुर के लिए आज का दिन ऐतिहासिक तथा अविस्मरणीय रहा जब यहां इतिहास, वर्तमान एवं भविष्य का संगम देखने को मिला। कृषि महाविद्यालय, रायपुर के 66वें स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिवार की तीन पीढ़ियां एकत्र हुई जिनमें कृषि महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता एवं प्राध्यापक, वर्तमान कुलपति, कुलसचिव एवं प्राध्यापकगण और वर्तमान में अध्ययनरत विद्यार्थी सम्मिलित थे।

इस अवसर पर महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव समारोह, छात्र संघ शपथ ग्रहण, पूर्व अधिष्ठाता सम्मान तथा पूर्व छात्र सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया जिसके तहत महाविद्यालय के प्रथम बैच के तीन विद्यार्थियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के खास मुकाम हासिल करने वाले भूतपूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय के सात पूर्व अधिष्ठाताओं और इसी महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति, कुलसचिव तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों का भी सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के पश्चात आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह में कृषि महाविद्यालय, रायपुर के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक रंगा-रंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शक-दीर्घा का मन मोह लिया।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कृषक सभागार में आज दोपहर आयोजित स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल थे। डॉ. चंदेल ने इस अवसर पर नवगठित छात्र संघ के पदाधिकारियों को पद सन्निष्ठा एवं अनुशासन की शपथ दिलाई। एम.एससी. कृषि सांख्यिकी विभाग की छात्रा पुण्य श्री ने अध्यक्ष तथा बी.एससी. चतुर्थ वर्ष की छात्रा अनुष्का चौरसिया ने उपाध्यक्ष पद की शपथ ली। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि कृषि महाविद्यालय, रायपुर विश्वविद्यालय से भी पुराना एवं ऐतिहासिक संस्थान है, जिसने प्रदेश ही नहीं बल्कि देश को अनेक उत्कृष्ट कृषि विशेषज्ञ एवं प्रशासक दिए हैं। समारोह में महाविद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. आरती गुहे ने महाविद्यालय के 66 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा, उपलब्धियों एवं स्थापना दिवस समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह संस्थान केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि कृषि नेतृत्व गढ़ने वाली एक सशक्त परंपरा है।

आईटीआई कॉलेज में पॉक्सो एक्ट और साइबर क्राइम पर जागरूकता शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। साइबर अपराधों और बच्चों के विरुद्ध लैंगिक अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आई.टी.आई. कॉलेज पर्री, सूरजपुर में पॉक्सो एक्ट एवं साइबर क्राइम विषय पर विशेष कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनीता वार्नर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय सूरजपुर के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को पॉक्सो एक्ट 2012, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 तथा वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराधों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। न्यायाधीश वारियाल ने कहा कि पॉक्सो एक्ट बच्चों को यौन शोषण, उत्पीड़न और अश्लील सामग्री से सुरक्षा प्रदान करने वाला सख्त कानून है। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चे कानून की दृष्टि में संरक्षित हैं और ऐसे मामलों में सहमति का कोई कानूनी महत्व नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के दुरुपयोग, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और डिजिटल ठगी से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज अपराधियों द्वारा सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। साइबर अपराध की शिकायत के लिए उन्होंने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी देते हुए तत्काल शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

एर्राबोर के सुशासन शिविर में उमड़ा जनसैलाब

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और सुकमा कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में संचालित सुशासन तिहार एवं बस्तर मुन्ने अभियान अब दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में भी बदलाव की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं। इसी कड़ी में कोंटा विकासखंड के एर्राबोर में आयोजित क्लस्टर स्तरीय सुशासन शिविर में 10 पंचायतों के सैकड़ों ग्रामीण उत्साहपूर्वक शामिल हुए। शिविर में 452 आवेदन प्राप्त हुए।

राजस्व, स्वास्थ्य, पंचायत और अन्य विभागों के अधिकारियों ने मौके पर ही नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, जॉब कार्ड और आयुष्मान कार्ड जैसे दस्तावेजों का त्वरित निराकरण किया। शिविर में प्रशासन ने ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान करते हुए विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया। इससे ग्रामीणों में शासन के प्रति विश्वास और उत्साह देखने को मिला। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों के लिए अन्नप्राशन और गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम आयोजित की गई। इस दौरान सुरक्षित मातृत्व और कुपोषण मुक्त समाज का संदेश दिया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष मंगम्मा सोयम और सदस्य कोरसा सन्नू ने आम ग्रामीणों के साथ लाइन में खड़े होकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया, जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति सकारात्मक संदेश गया। शिविर में महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए कुल 17.50 लाख रुपए का ऋण वितरित किया गया। इसमें विभिन्न महिला समूहों को 13.50 लाख रूपए का ऋण दिया गया।

कोसरंगी की दीदियों को मिली 50 निःशुल्क सिलाई मशीनें

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा बीते दिन आरंग विकासखंड के एलआरसी सेंटर, कोसरंगी के अवलोकन किया गया था तथा कोसरंगी में जन चौपाल के दौरान की गई घोषणा पर त्वरित अमल करते हुए आज मीरा एवं राधा ग्राम संगठन, कोसरंगी की महिलाओं को 50 नि:शुल्क सिलाई मशीनें वितरित की गईं।

मुख्यमंत्री साय ने एलआरसी सेंटर के निरीक्षण के दौरान ग्राम संगठन की महिलाओं से मुलाकात कर उनके आजीविका गतिविधियों और कार्यों की जानकारी ली थी। महिलाओं ने जन चौपाल में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए सिलाई मशीन उपलब्ध कराने की मांग रखी थी। मुख्यमंत्री साय ने महिलाओं की मांग को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही अधिकारियों को शीघ्र सिलाई मशीन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे।

मुख्यमंत्री के निर्देश का पालन करते हुए आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में ग्राम संगठन की दीदियों को जिला पंचायत सदस्य गुरु सौरभ साहेब एवं जनपद पंचायत आरंग अध्यक्ष श्रीमती ताकेश्वरी मुरली साहू की उपस्थिति में सिलाई मशीन प्रदान किया गया।

ग्राम कोसरंगी के ग्राम संगठन की दीदी श्रीमती सपना पटेल ने बताया कि मेरे समूह कल जन चौपाल में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हमारे गांव आए थे जहां हमने सिलाई मशीन की मांग की जिसके बाद हमे आज जिला प्रशासन द्वारा सिलाई मशीन दे दी गई। मीरा ग्राम संगठन की सदस्य श्रीमती यशोदा मांडले ने बताया कि कल हमारे ग्राम कोसरंगी में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम था जिसमें हमने सिलाई मशीन की मांग की थी और हमें सिलाई मशीन मिल गई। मांग जल्द पूरी होने पर उत्साहित दीदियों ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनकी जरूरत को समझते हुए तुरंत निर्णय लिया, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में नई ताकत मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मददगार साबित होगा।

देशज और लोक कलाओं से जुड़ने का सुनहरा अवसर, दो पालियों में होगा प्रशिक्षण, पंजीयन प्रक्रिया शुरू

आकार-2026: रंग, रचनात्मकता और परंपरा का महाकुंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग द्वारा पारंपरिक शिल्प एवं लोक कलाओं के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के उद्देश्य से आकार-2026 पारंपरिक शिल्प एवं विविध कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह बहुप्रतीक्षित प्रशिक्षण शिविर 25 मई से 09 जून 2026 तक महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर (सिविल लाइन, रायपुर) में आयोजन किया जाएगा। शिविर में भाग लेने के लिए पंजीयन प्रक्रिया 21 मई 2026 से प्रारंभ हो चुकी है।

यह शिविर प्रदेश के कला प्रेमियों, युवाओं और प्रशिक्षुओं के लिए एक अनूठा मंच साबित होगा, जहां उन्हें देश के अनुभवी कला गुरुओं के मार्गदर्शन में पारंपरिक और आधुनिक विधाओं को सीखने का अवसर मिलेगा। शिविर का मुख्य उद्देश्य विलुप्त होती लोक कलाओं और पारंपरिक शिल्प को सहेजना और उन्हें नई पहचान दिलाना है।

दो पालियों में प्रशिक्षण और पंजीयन की जानकारी- प्रतिभागियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस शिविर का आयोजन प्रतिदिन दो पालियों में किया जाएगा। प्रथम सत्र सुबह 7 बजे से 10 बजे तक और द्वितीय सत्र संध्या 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयोजित की जाएगी। शिविर में भाग लेने के लिए पंजीयन प्रक्रिया 21 मई 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक प्रतिभागी महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर, सिविल लाइन रायपुर में जाकर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

आकार-2026 में पारंपरिक विधाओं के साथ-साथ आधुनिक रचनात्मकता का बेहतरीन संयोजन देखने को मिलेगा। इस बार शिविर में ए.आई. आधारित कला प्रशिक्षण को भी विशेष रूप से शामिल किया गया है। शिविर में प्रदेश और देश के ख्यातिप्राप्त कला विशेषज्ञ एवं पारंगत गुरु प्रशिक्षण देंगे। शिल्प और मूर्तिकला के रूप में क्ले एवं टेक्सचर आर्ट, जूट शिल्प, टेराकोटा, लिप्पन आर्ट, रजवार भित्ति चित्र कला और वुडन ट्राइबल आर्ट, चित्रकला और पारंपरिक कलाएं के रूप में मंडला एवं मांडना आर्ट, गोदना शिल्प, पेंटिंग, पचवाई आर्ट और छत्तीसगढ़ी पारंपरिक गहने निर्माण की कला सिखाई जाएगी। संगीत, नृत्य और अन्य भरथरी गायन, कथक नृत्य, लोकसंगीत एवं लोकनृत्य, हस्त कढ़ाई कला, बोनसाई आर्ट और शिल्प डिजाइनिंग भी सीखाई जाएगी।

शिविर में केवल प्रशिक्षण ही नहीं दिया जाएगा, बल्कि समापन के अवसर पर सभी प्रशिक्षुओं द्वारा तैयार की गई खूबसूरत कलाकृतियों की एक भव्य प्रदर्शनी लगाई जाएगी, इससे प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा को सबके सामने प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी प्रतिभागियों को संस्कृति विभाग द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

वित्त मंत्री चौधरी ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण

रेलवे ओवरब्रिज, आईटी बिल्डिंग, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सहित कई परियोजनाओं की प्रगति का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने आज नवा रायपुर में संचालित महत्वपूर्ण विकास कार्यों का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

वित्त मंत्री ने रेलवे ओवर ब्रिज, प्रवासी पक्षियों के लिए नेस्टिंग आइलैंड, सेक्टर-10 की सड़के, कार्यरत महिलाओं हेतु हॉस्टल, पीपल गार्डन शहरी वन (पीपल कुंज), सीबीडी आईटी बिल्डिंग, कम्पोजिट आयोग भवन, एनटीपीसी कार्यालय एवं ऑडिटोरियम भवन, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, फेयर ग्राउंड स्टेशन, श्रमिक कैंप सहित विभिन्न अधोसंरचना परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर को आधुनिक, सुव्यवस्थित और विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिए सभी अधोसंरचना परियोजनाओं को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरा करना जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और जनसुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

वित्त मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से नवा रायपुर में यातायात सुगम होगा, खेल अधोसंरचना मजबूत होगी और डिजिटल व प्रशासनिक सेवाओं के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी नई मजबूती मिलेगी।

इस दौरान नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ चंदन कुमार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बैंकेयस एवं ग्राहक उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

खुलेआम परोसी जा रही शराब, 10 ठिकानों पर पहले भी कार्रवाई

बीजापुर। न्यू बस स्टैंड पर अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। यहां एक होटल में बिरयानी के साथ शराब परोसने की व्यवस्था है। अंतराज्यीय बस स्टैंड बीजापुर में बनी अस्थायी दुकानों में तस्करी कर लाई गई अंग्रेजी शराब बेची जाती है। होटल में ग्राहकों को बैठाकर शराब पिलाई जाती है। यह स्थान कोतवाली से मात्र 200 मीटर की दूरी पर स्थित है। इस होटल और शराब ठेके का संचालन अजय धुर्वे नामक युवक करता है। वह रोजाना बीजापुर की अंग्रेजी शराब दुकान से बड़े बैग में शराब की बोतलें लाकर स्कूटी से न्यू बस स्टैंड तक पहुंचाता है। इसके बाद होटल में खुलेआम शराब परोसने का काम शुरू हो जाता है। कोतवाली बीजापुर के टीआई दुर्गेश शर्मा ने बताया कि न्यू बस स्टैंड सहित जिला मुख्यालय के 10 ठिकानों पर पहले भी कार्रवाई की गई थी और ज्यादातर दुकानों को बंद करवाया गया था। उन्होंने आश्वासन दिया कि न्यू बस स्टैंड में ऐसी सूचना मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। बीजापुर के आबकारी निरीक्षक वतन चौधरी ने भी स्वीकार किया कि ऐसी शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें वीडियो भी प्राप्त हुआ है और जल्द ही इस मामले में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बारात में मारपीट के 5 फरार आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। मुलमुला पुलिस ने बारात में हुई मारपीट और प्राणघातक हमले के मामले में फरार चल रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस मामले में पहले भी चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। यह घटना 16 अप्रैल को हुई थी। पीड़ित देवराज बरेठ अपने साथियों के साथ ग्राम खोखरा से ग्राम पौना में एक बारात में शामिल होने गए थे। बाराती स्कूल पारा के पास बाजा बजाते हुए नाच-गाना कर रहे थे। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने बाजा बंद करने को लेकर विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते यह विवाद मारपीट में बदल गया। आरोपियों ने बारातियों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए लोगों को भी पीटा गया। इस हमले में देवराज के सिर पर चोट लगी, जिससे वह जमीन पर गिर गए। मारपीट में धनंजय यादव की आंख में भी गंभीर चोट आई। उन्हें पहले जिला अस्पताल जांजगीर ले जाया गया और बाद में गंभीर हालत में सिम्स बिलासपुर रेफर कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अपराध दर्ज कर जांच शुरू की थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने फरार चल रहे आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों में कृष्ण कुमार यादव उर्फ टिंगालू, लक्ष्मी प्रसाद यादव, बॉबी यादव उर्फ लाला, बबलू यादव उर्फ छोटे लाला और गंगा सागर उर्फ सोनू शामिल हैं।

अवैध खनन पर कार्रवाई एक हाइवा सहित सात वाहन जब्त

बिलासपुर। जिले में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग ने फिर कार्रवाई की। खनिज अमले ने कछार, लोफंदी, सेंदरी, निरतु, लखराम, गढ़वट, खैरखुंडी, लोखड़ी, तुरकाडीह और सकरी क्षेत्र में जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान कछार क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन करते एक ट्रैक्टर जब्त किया। वहीं सेंदरी में रेत उत्खनन में लगे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़े गए। लोखंडी क्षेत्र से अवैध रेत परिवहन करते एक हाइवा को जब्त किया। सकरी क्षेत्र में मिट्टी-ईंट परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली भी कार्रवाई की जद में आए। सभी जब्त वाहनों को कोनी और सकरी थाना में रखा गया है।

डायरेक्टर की डीपी लगाकर अकाउंटेंट को भेज ठगे 20 लाख, दोबारा मांगे 48 लाख

सुपेला थाना क्षेत्र का मामला, डायरेक्टर की शिकायत पर केस दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के सुपेला थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक ऑटोमोबाइल कंपनी को निशाना बनाते हुए 20 लाख रुपए की ठगी कर ली। ठगों ने कंपनी के डायरेक्टर की फोटो और डीपी लगाकर अकाउंटेंट को व्हाट्सएप मैसेज भेजा। अकाउंटेंट ने उसे कंपनी के डायरेक्टर का नंबर समझकर बताए गए खाते में रकम ट्रांसफर कर दी। अगले दिन फिर 48 लाख रुपए और मांगने पर पूरे मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद कंपनी प्रबंधन ने साइबर पोर्टल और थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मामला भिलाई के सुपेला थाना क्षेत्र का है।

शिकायतकर्ता यश बत्रा ने पुलिस को बताया कि, वे साईराम व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर हैं। कंपनी के शोरूम दुर्ग, भिलाई, रायपुर और राजनांदगांव में संचालित होते हैं। कंपनी के संचालन में उनके पिता श्रीचंद बत्रा और मां ज्योति बत्रा भी डायरेक्टर हैं। यश बत्रा के मुताबिक, कंपनी के सभी ब्रांचों के लेनदेन की जिम्मेदारी पिछले 13 साल से अकाउंटेंट मेष पटेल संभाल रहे हैं। कंपनी के डायरेक्टर और अकाउंटेंट के बीच भुगतान और रकम ट्रांसफर को लेकर एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बना हुआ है। किसी भी पेमेंट से पहले डायरेक्टरों की मंजूरी ली जाती थी।

डॉयरेक्टर की डीपी लगाकार लगाकर किया गुमराह

इसी बीच यश बत्रा के पिता श्रीचंद बत्रा अपनी बहन से मिलने ऑस्ट्रेलिया गए थे। 21 मई की दोपहर करीब 3.21 बजे एक अज्ञात मोबाइल नंबर से अकाउंटेंट मेष पटेल के मोबाइल पर व्हाट्सएप मैसेज आया। उस नंबर में श्रीचंद बत्रा की फोटो और डीपी लगी हुई थी। मैसेज में एक एचडीएफसी बैंक खाते की जानकारी भेजी गई और उसे कंपनी के एसबीआई अकाउंट में बेनिफिशियरी के रूप में जोड़ने कहा गया।

पहले 20 लाख भेजने का दिया निर्देश

अकाउंटेंट ने मैसेज भेजने वाले से पूछा कि क्या इस खाते को साईराम व्हील्स के अकाउंट में जोड़ना है। सामने वाले ने खुद को डायरेक्टर बताते हुए हां कहा। इसके बाद 20 लाख रुपए ट्रांसफर करने के निर्देश दिए। अकाउंटेंट ने इसे कंपनी डायरेक्टर का आदेश मानते हुए कंपनी के एसबीआई करंट अकाउंट से एचडीएफसी बैंक के खाते में 20 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए।

अगले दिन मांगे 48 लाख रुपए

प्रार्थी के मुताबिक, रकम शाम करीब 4.55 बजे ट्रांसफर हुई। ट्रांजेक्शन के बाद अगले दिन यानी 22 मई को फिर उसी नंबर से 48 लाख रुपए और ट्रांसफर करने कहा गया। इस बार अकाउंटेंट ने यश बत्रा से जानकारी ली। यश ने तुरंत अपने पिता श्रीचंद बत्रा से फोन पर बात की। तब पता चला कि उन्होंने किसी तरह के पेमेंट के लिए नहीं कहा था।

पुलिस ने दर्ज किया केस

इसके बाद परिवार को ठगी का एहसास हुआ। कंपनी प्रबंधन ने तुरंत साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई और वैशाली नगर थाने पहुंचकर लिखित आवेदन दिया। पुलिस ने मामले में अज्ञात मोबाइल नंबर और बैंक खाते के धारक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध खनन-परिवहन पर कार्रवाई: खनिज विभाग ने 3 जेसीबी और 16 ट्रैक्टर जब्त किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा में गौण खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत खनिज विभाग की टीम ने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में सघन निरीक्षण कर कार्रवाई की और 3 जेसीबी मशीनें और 16 ट्रैक्टर जब्त किए गए। जांच के दौरान, खनिज रेत, गिट्टी और मिट्टी के अवैध उत्खनन-परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर ये वाहन जब्त किए गए। विभाग की उड़नदस्ता टीम ने डौका गुड़ा से एक ट्रैक्टर, विजयपुर से दो ट्रैक्टर, सुतर्रा से एक ट्रैक्टर और आमाखोखरा से ईंट से भरा एक ट्रैक्टर जब्त किया। ग्राम बिंझरा में मिट्टी का अवैध उत्खनन कर रही दो जेसीबी मशीनें भी मौके पर पकड़ी गईं।

इसके अलावा पौड़ी क्षेत्र में रेत का अवैध परिवहन करते हुए चार ट्रैक्टरों पर कार्रवाई की गई। डुमरकछार में मिट्टी के अवैध उत्खनन में लगी दो ट्रैक्टर और एक जेसीबी को भी टीम ने जब्त किया। सभी जब्त वाहनों को नियमानुसार आगे की प्रक्रिया के लिए जिले के अलग-अलग पुलिस

थानों और खनिज जांच चौकियों में सुरक्षा अभिरक्षा में रखा गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमों और प्रचलित वैधानिक प्रावधानों के तहत दोषियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग का यह अभियान जिले में अवैध खनन गतिविधियों पर नियंत्रण स्थापित करने और राजस्व की क्षति को रोकने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। अवैध खनन से न केवल शासन को राजस्व का नुकसान होता है, बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर क्षति पहुंचती है। विभाग ने बताया है कि जिले में अवैध खनन-परिवहन के खिलाफ यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

ट्रांसफॉर्मर से निकली चिंगारी से कबाड़ी दुकान में लगी आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र स्थित राधिका नगर में शनिवार रात करीब 10:30 बजे एक कबाड़ी दुकान में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि पास में लगे ट्रांसफार्मर से अचानक चिंगारी निकली, जिसके बाद आग कबाड़ी दुकान तक पहुंच गई।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की दमकल टीम मौके पर पहुंची, तब तक कबाड़ के सामान में आग तेजी से फैल चुकी थी और ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगी थीं। अग्निशमन विभाग के अनुसार आग परमानंद चंदेल की कबाड़ी दुकान में लगी थी।

दुकान में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील कबाड़ रखा होने के कारण आग तेजी से फैल रही थी। दमकल

कर्मियों ने लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया और उसे आसपास के मकानों-दुकानों तक फैलने से रोक लिया।

ट्रांसफॉर्मर में भी लगी आग

प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह ट्रांसफॉर्मर में हुए शॉर्ट सर्किट को माना जा रहा है। हालांकि, मामले की जांच जारी है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ। घटना के दौरान इलाके में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे। आग की तेज लपटों और धुएं के कारण कुछ देर तक क्षेत्र में दहशत का माहौल बना रहा। दमकल टीम ने काफी सावधानी के साथ आग बुझाने का काम किया और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

काफी देर तक अंधेरे में रहे वार्ड के लोग

राधिका नगर में लगी आग के कारण बिजली व्यवस्था भी लंबे समय तक प्रभावित रही। पूरा इलाका ब्लैकआउट में डूबा रहा। काफी मशक्कत के बाद बिजली व्यवस्था बहाल की जा सकी।

जिला सेनानी और अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल टीम को तुरंत रवाना किया गया था। टीम ने मौके पर पहुंचकर तेजी से कार्रवाई की और आग को फैलने से रोक लिया। काफी देर तक अंधेरे में रहे वार्ड के लोग राधिका नगर में लगी आग की वजह से बिजली व्यवस्था भी काफी देर तक प्रभावित रही। पूरा इलाका ब्लैक आउट में डूबा रहा। काफी देर के मशक्कत के बाद बिजली व्यवस्था क्षेत्र में बहाल हुई। इस पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन में अग्निशमन दल प्रभारी घनश्याम यादव के नेतृत्व में टीम ने अहम भूमिका निभाई। टीम ने मौके पर पहुंचकर तेजी से कार्रवाई की और आग को फैलने से रोक लिया।

राजनांदगांव स्टेशन पर आपीएफ की कार्रवाई

राजनांदगांव। राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर अवैध पार्किंग के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल ने बड़ी कार्रवाई की है। 22 और 23 मई को चलाए गए अभियान में नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़े करने वाले 27 चालकों के खिलाफ रेलवे एक्ट की धारा 159 के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। यह कार्रवाई दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट राजनांदगांव की ओर से की गई। इसका उद्देश्य स्टेशन परिसर को व्यवस्थित और यात्रियों के लिए सुरक्षित बनाना है। आरपीएफ पोस्ट राजनांदगांव की प्रभारी निरीक्षक तरुणा साहू के नेतृत्व में टीम ने स्टेशन परिसर का औचक निरीक्षण किया। नियमों का उल्लंघन कर नो-पार्किंग एरिया में वाहन पार्क करने वाले चालकों के खिलाफ मौके पर ही कानूनी कार्रवाई की गई।

आरपीएफ राजनांदगांव के अनुसार, स्टेशन परिसर में यातायात व्यवस्था को सुचारु और सुरक्षित बनाए रखने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। आरपीएफने आम नागरिकों और रेल यात्रियों से अपील की है कि वे व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। अपने वाहनों को केवल रेलवे की ओर से निर्धारित अधिकृत पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करें और नो-पार्किंग जोन में वाहन पार्क करने से बचें, अन्यथा सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शादी का झांसा देकर युवती से रेप: न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में युवक ने शादी का झांसा देकर युवती से रेप किया। वह पिछले 9 सालों से शारीरिक संबंध बनाता रहा और बाद में शादी से इनकार कर दिया। ऐसे में पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला तमनार थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक तमनार क्षेत्र में रहने वाले 27 साल की पीड़िता ने शुक्रवार थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि गांव के ही रहने वाले दीपक एक्का (31) से उसकी जान पहचान हुई थी। साल 2017 में दीपक ने युवती को प्रेम प्रस्ताव देकर शादी करने का वादा किया, जिसके बाद दोनों के बीच लगातार

बातचीत होने लगी।

इसी दौरान फरवरी 2017 में, जब युवती के माता-पिता घर पर नहीं थे, तब दीपक उसके घर पहुंचा। साल 2017 में दीपक ने प्रेम प्रस्ताव रखकर शादी करने का वादा किया, जिसके बाद दोनों के बीच लगातार बातचीत होती थी। इसके बाद साल 2017 के फरवरी माह में जब युवती के घर में उसके माता-पिता नहीं थे।

शादी की बात पर करता रहा टालमटोल

दीपक उसके घर पहुंचा और पहली बार शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद आरोपी लगातार शादी करने का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाता रहा। कई बार युवती ने शादी की बात कही, लेकिन वह टालमटोल करते रहा। कुछ माह पहले जब पीड़िता की ओर से दीपक पर शादी करने का दबाव बनाया, तो आरोपी ने उसे अपने साथ रखने और शादी से साफ इनकार कर दिया।

आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया

इस पूरे मामले में पुलिस ने धारा 69 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गांव से हिरासत में लिया।

पूछताछ में उसने जुर्म स्वीकार किया, जिसके बाद शनिवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

लगातार आरोपी पर कार्रवाई की जाएगी

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि महिला संबंधी अपराधों में रायगढ़ पुलिस पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता से कार्य कर रही है।

महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाएगी। शादी का झांसा देखकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

रायपुर पुलिस ने चलाया 'ऑपरेशन कालचक्र'

असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई, चाकूबाजों और नशेड़ियों पर कसा शिकंजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने अभियान 'ऑपरेशन कालचक्र' चलाया। नॉर्थ जोन पुलिस ने 18 से 23 मई तक अलग-अलग थाना क्षेत्रों में औचक रेड कार्रवाई करते हुए चाकूबाजों, गुंडा बदमाशों, निगरानी बदमाशों और संदिग्धों के खिलाफबड़ी कार्रवाई की।

पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन मयंक गुर्जर के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य अपराधियों में मनोवैज्ञानिक दबाव बनाना, क्षेत्र में अपराधों पर नियंत्रण करना और संगठित अपराध के नेटवर्क को तोड़ना बताया गया है।

अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकाश मरकाम और सहायक पुलिस आयुक्त पूर्णिमा लामा के नेतृत्व में थाना प्रभारियों और पुलिस बल ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की।

इन थाना क्षेत्रों में हुई कार्रवाई

खमतराई, उरला, गुढ़ियारी, पंडरी और खम्हारडीह थाना क्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों में दबिश देकर पुलिस ने कई अपराधियों को पकड़ा।

कार्रवाई के दौरान एनडीपीएस एक्ट के तहत 1 आरोपी, आर्म्स एक्ट में 6 आरोपी और आबकारी एक्ट के तहत 71 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किए गए। वहीं, प्रतिबंधित हुक्का और तंबाकू सामग्री रखने वाले 41 आरोपियों पर कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई

इसके अलावा प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत 81 आरोपियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने सार्वजनिक जगहों पर शराब पीने और शराब उपलब्ध कराने वालों के खिलाफभी सख्त कार्रवाई की।

सकरी पुलिस ने गांजा बेचती महिला को पकड़ा: 9 हजार का माल बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। सकरी थाना पुलिस ने गांजा बेच रही महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, शक्रवार को बजरंगपारा सकरी में आरोपी करुणा वर्मा (22), निवासी शांति नगर सकरी को गांजा बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। उसके कब्जे से 1.200 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 9000 रुपए है। साथ ही बिक्री के 300 रुपए नकद भी बरामद किए गए।

एसएसपी रजनेश सिंह ने

शहर सहित जिले भर में अपराधियों की निगरानी और धरपकड़ के लिए बीट सिस्टम लागू किया है।

पुलिस का दावा है कि इस सिस्टम के लागू होने के बाद से सकरी पुलिस को नशे और अवैध शराब के कारोबारियों के बारे में लगातार सूचनाएं मिल रही हैं, जिससे ऐसी कार्रवाइयां संभव हो पा रही हैं।

परिचित ने नहीं लौटाए रुपए तो की आत्महत्या

कोरबा। सीएसईबी चौकी अंतर्गत ढेंगुरनाला (कोहड़िया) स्थित नर्सरी में झाड़ी के बीच 13 दिन पहले 10 मई को मिले बसंत पटेल के शव का मामला आत्महत्या का निकला। पुलिस जांच में उसकी वजह परिचित नीलकुमार चौहान के उधार में 15 हजार रुपए लेकर वापस नहीं करने के कारण मानसिक रूप से परेशान होना पाया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक से रुपए उधार में लेकर वापस नहीं करते हुए वह उसे लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। इसी दबाव में आकर बसंत पटेल ने 10 मई को आत्मघाती कदम उठा लिया था। पुलिस ने पीएम, फॉरेंसिक रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्यमंत्री साय ने तेन्दूपत्ता संग्राहकों और होनहार विद्यार्थियों को दी लाखों की सौगातें

करही बाजार में सुशासन तिहार

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदाबाजार। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलौदाबाजार के करही बाजार में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम में तेन्दूपत्ता संग्राहकों और शिक्षा प्रोत्साहन योजना के लाभार्थियों को बड़ी आर्थिक सहायता प्रदान की। ग्रामीणों, संग्राहकों और विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल रहा, और अनेक लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। वर्ष 2025-26 के भुगतान के तहत तेन्दूपत्ता संग्राहकों को भुगतान किया गया। धनेली समिति के रामपुर फड़ की कमला बाई को 3510 गड्डियों के एवज में 19,305 रुपये तथा केसला फड़ की कांती बाई को 5,000 गड्डियों के लिए 27,500 रुपये प्रदान किए गए। वहीं वर्ष 2026-27 के लिए भी लाभार्थियों को भुगतान जारी रखा गया। धनेली समिति के रामपुर फड़ के कौसल साहू को 3,310 गड्डियों के अनुसार 18,205 रुपये दिए गए।

शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत मेधावी तथा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी आर्थिक प्रोत्साहन दिया गया। वर्ष 2023-24 में मोपका फड़ की तपेश्वरी साहू को प्रतिभाशाली योजना के तहत 15,000 रुपये, तारनी को 25,000 रुपये तथा रामपुर फड़ की चांदनी साहू को मेधावी योजना में 3,000 रुपये दिए गए। वर्ष 2024-25 के भुगतान (21 मई 2026 को) में बिटकुली फड़ के सागर देवांगन को प्रतिभाशाली योजना में 25,000 रुपये, गुडा फड़ की कृतिका देवा को 15,000 रुपये तथा चिचपोल फड़ के खिंदु को मेधावी योजना के तहत 25,000 रुपये प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वनवासियों, श्रमिकों और विद्यार्थियों के जीवन स्तर को सुधारने और उनकी आर्थिक-शैक्षिक स्थिति मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, वन विभाग के अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे, जबकि बड़ी संख्या में ग्रामीणजन भी उपस्थित होकर इस पहल का समर्थन कर रहे थे। लाभार्थियों ने शासन की योजनाओं से मिली आर्थिक सहायता और बच्चों की पढ़ाई के अवसरों के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया और कहा कि यह मदद उन्हें आत्मनिर्भर बनने और शिक्षा को आगे बढ़ाने की नई प्रेरणा देगी।

मुख्यमंत्री साय ने अपने हाथों से कराया अन्नप्राशन

- मुख्यमंत्री की आत्मीयता से मुग्ध हुआ करहीभदर
- गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कार्यक्रम में दी शुभकामनाएं
- समाधान शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग ने लगाया शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदाबाजार। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जिले के करहीबाजार में आयोजित सुशासन तिहार समाधान शिविर में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर बच्चों एवं महिलाओं से आत्मीय मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में आयोजित अन्नप्राशन कार्यक्रम में नन्हे बच्चों को अपने हाथों से अन्नप्राशन कराया।

इस अवसर पर शेवांशी चक्रधारी, राध्या यादव, हिमांशी निषाद, कान्हा सेन एवं अहान बंजारे शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्नेह एवं आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री ने स्वस्थ बच्चों से भी मुलाकात की। इनमें रुपेश पटेल, चंचल पटेल, प्रींसू चक्रधारी, हार्दिक बंजारे एवं लोककाव्या खांडे शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी लेते हुए अभिभावकों को बच्चों के बेहतर पोषण एवं देखभाल के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान आयोजित गोदभराई कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गर्भवती महिलाओं को उपहार भेंट कर शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में संतोषी निषाद, पूर्णिमा परेल, ममता पटेल, जयंती बंजारे एवं रूखमणी पाल शामिल रहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रही है, ताकि बच्चों और माताओं को बेहतर पोषण एवं स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

साय ने धात्री महिलाओं को वितरित किया 'बेबी-किट'

- आयुष्मान आरोग्य मंदिर करही बाजार में महिलाओं से की आत्मीय चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदाबाजार। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत बलौदबाजार-भाटापारा जिले के करही बाजार स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धात्री (लैक्टेटरी) महिलाओं को बेबी किट प्रदान कर उनके स्वास्थ्य एवं बच्चों की देखभाल संबंधी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने चित्ररेखा पटेल, आशा पाल, ज्योति पटेल, प्रीति पटेल एवं मोहिनी पटेल को बेबी किट वितरित की। किट में प्रोटीन पाउडर, बेबी सूट, बेबी सोप एवं पाउडर, आयरन फोलिक एसिड, कैल्शियम टैबलेट तथा सेनेटरी पैड सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल थी।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं से आत्मीय चर्चा करते हुए उनका कुशलक्षेम जाना तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार माताओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद लोगों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

प्रधानमंत्री आवास योजना में मुख्यमंत्री ने किया श्रमदान अपने हाथों से बनाया 'मोर गांव-मोर पानी' का सोखता

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदाबाजार। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत बलौदबाजार-भाटापारा जिले के करही बाजार में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही परिवार के गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना की हितग्राही राजकुमारी एवं उनके पति हरिराम के नए पक्के आवास में गृह प्रवेश कराया। इस अवसर पर उन्होंने दंपति को विघ्नहर्ता भगवान गणेश की प्रतिमा भेंट कर सुखी एवं समृद्ध जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए सम्मानजनक जीवन का आधार बन रही है। पक्का आवास मिलने से परिवारों को सुरक्षा, सुविधा और बेहतर जीवन वातावरण मिल रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 'मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0' के तहत भूमिगत जल संरक्षण के लिए बनाए जा रहे सोखता पिट निर्माण कार्य में श्रमदान भी किया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर श्रमदान करते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया और वर्षा जल संचयन के महत्व पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने अभियान से जुड़ी जल संचयन दीदी बेबी सेन एवं अम्बे मानिकपुरी से चर्चा कर उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण जनभागीदारी से ही संभव है और ऐसे प्रयास भविष्य में जल संकट को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने 'हम होंगे कामयाब 2.0' पोर्टल किया लांच, युवाओं से पोर्टल पर पंजीयन करने की अपील

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदाबाजार। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सुशासन तिहार अंतर्गत बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखंड भाटापारा अंतर्गत ग्राम करहीबाजार में आयोजित शिविर में स्टॉल अवलोकन के दौरान जिला प्रशासन द्वारा विकसित 'हम होंगे कामयाब 2.0' वेब पोर्टल को लांच किया। इस वेब पोर्टल पर युवाओं को नियोक्ता, रिक्तियां, प्रशिक्षण की जानकारी सहित कैरियर मार्गदर्शन भी मिलेगा। युवा अपनी योग्यता और रूचि के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार या स्वरोजगार से जुड़ सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार युवाओ को हुनरमंद बनाकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने कौशल विकास को प्राथमिकता दे रही है। अनेक योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं जिसमें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना प्रमुख हैं। मुख्यमंत्री ने 'हम होंगे कामयाब वेब पोर्टल' पर पंजीयन कर प्रशासन की इस पहल का लाभ उठाने युवाओं को प्रोत्साहित भी किया।

पोर्टल में नियोक्ता, उपलब्ध रिक्तियां, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं विद्यार्थी एक ही पोर्टल पर पंजीकृत होंगे। नियोक्ता में सीमेंट प्लांट से 75, रोजगार कार्यालय से 286, जिसमें राज्य के बाहर स्थित संस्थानों के 150 रिक्तियां सम्मिलित है। अपनी योग्यता और रूचि के अनुरूप युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार या स्वरोजगार से जुड़ सकते हैं। इस पोर्टल नियोक्ता (कंपनी) भी अपनी रिक्तियों के लिए इच्छुक और योग्य युवाओं से प्रत्यक्ष संपर्क कर सकते है।

हम होंगे कामयाब 2.0 के माध्यम से युवा करियर मार्गदर्शन, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार सह रिक्तियों की जानकारी, स्वरोजगार हेतु विशेष मार्गदर्शन व सहायता, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग की उपलब्धता जानकारी हासिल कर सकते हैं।

> 'हम होंगे कामयाब 2.0' युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, करियर मार्गदर्शन और रोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के लिए तैयार किया गया एक वेब पोर्टल है। वर्तमान में पोर्टल में अब तक कुल पंजीकृत युवा 468, रिक्तियां 513 एवं 21 ट्रैड उपलब्ध है।

पोर्टल में 8वीं पास से लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं को उनकी योग्यता अनुसार जॉब की जानकारी, सीधा आवेदन बिना किसी एजेंट और बिना किसी कागजी कार्यवाही के सीधे एक क्लिक में उपलब्ध है। युवाओं के भविष्य को सही दिशा देने के लिए अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा करियर मार्गदर्शन पूरी तरह निःशुल्क है। युवाओं को साइबर फ्रॉड और धोखाधड़ी से सुरक्षित रखने हेतु शासकीय विभागों व औद्योगिक संस्थानों को एक ही मंच में जोड़ा गया है।

इस अवसर पर इस दौरान राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, विशेष सचिव रजत बंसल, कलेक्टर कुलदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक ओपी शर्मा, डीएफओ गणवीर धम्मशील सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय ने तैयार किया रुद्रेश्वर धाम कॉरिडोर का मास्टर प्लान

प्राचीन रुद्रेश्वर महादेव धाम का होगा कायाकल्प

धमतरी शहर से लगे रुद्री स्थित प्राचीन रुद्रेश्वर महादेव मंदिर अब केवल एक धार्मिक स्थल भर नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में यह प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक पर्यटन का नया केंद्र बनकर उभरेगा। लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित रुद्रेश्वर धाम कॉरिडोर परियोजना के माध्यम से मंदिर परिसर का समग्र विकास किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से तीन चरणों में विकसित करने की योजना तैयार की गई है।

विशेष बात यह है कि पूरे विकास कार्य में मंदिर की मूल संरचना और उसकी आध्यात्मिक गरिमा को अक्षुण्ण रखा जाएगा। बिना किसी बड़े विध्वंस या संरचनात्मक क्षति के मंदिर परिसर को आधुनिक सुविधाओं और पारंपरिक भारतीय स्थापत्य शैली के समन्वय से नया स्वरूप दिया जाएगा। प्रस्तावित डिजाइन में शिखर, त्रिशूल, ओम् प्रतीक, तोरण द्वार, अलंकृत स्तंभ, नंदी प्रतिमा, दीप स्तंभ और जाली कार्य जैसे पारंपरिक तत्व शामिल किए गए हैं। प्राकृतिक सैंडस्टोन क्लैडिंग और पत्थर आधारित फिनिश मंदिर परिसर को भव्य, आकर्षक और कालातीत स्वरूप प्रदान करेंगे।

परियोजना का उद्देश्य केवल मंदिर सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना भी है। इसके तहत चौड़े पैदल मार्ग, सुव्यवस्थित प्रवेश और निकास द्वार, परिक्रमा पथ, घाट, मंडप और सार्वजनिक उपयोग के क्षेत्रों का सुनियोजित विकास किया जाएगा। परिसर में डिजिटल सूचना स्क्रीन, प्रसाद एवं स्मृति चिन्ह दुकानें, फूड कोर्ट, विश्राम क्षेत्र, शिशु आहार कक्ष, भुगतान आधारित स्वच्छ शौचालय और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जैसी सुविधाएं विकसित होंगी। आधुनिक तकनीक के उपयोग के तहत एआई आधारित हेल्थ चेकअप कियोस्क भी स्थापित किए जाएंगे। वृद्धजनों और दिव्यांगजनों के लिए रैम्प आधारित बाधारहित आवागमन व्यवस्था परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी।

घाट क्षेत्र को भी विशेष रूप से विकसित किया जाएगा। यहां रेलिंग युक्त विसर्जन कुंड, सुरक्षित सीढ़ियां और श्रद्धालुओं के बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी, ताकि धार्मिक गतिविधियां सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संचालित हो सकें। इसके अलावा गार्डन, सांस्कृतिक मंडप, खुला मंच, रिवर फ्रंट कॉटेज और भविष्य में विकसित होने वाली मेरीन ड्राइव जैसी अवधारणाएं इस परियोजना को धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ सांस्कृतिक और पारिवारिक पर्यटन का भी प्रमुख केंद्र बनाएंगी।

पूरे लेआउट को वास्तु सिद्धांतों, प्राकृतिक वेंटिलेशन, खुले प्रांगण और श्रद्धालुओं की क्रमिक आध्यात्मिक यात्रा की अवधारणा को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। डिजाइन में सोमनाथ मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और जगन्नाथ मंदिर की स्थापत्य अवधारणाओं से प्रेरणा ली गई है।

पर्यावरण संरक्षण को भी परियोजना का अहम हिस्सा बनाया गया है। इसके तहत सौर ऊर्जा आधारित पार्किंग शेड, ईवी चार्जिंग स्टेशन, वर्षा जल संचयन, प्राकृतिक प्रकाश और वायु संचार आधारित डिजाइन, हरित क्षेत्र विकास तथा वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन जैसी व्यवस्थाएं प्रस्तावित हैं। स्थानीय और टिकाऊ निर्माण सामग्री के उपयोग से पर्यावरणीय प्रभाव कम करने के साथ स्थानीय कारीगरों और रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के अनुसार यह परियोजना केवल अधोसंरचना निर्माण नहीं, बल्कि धमतरी की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं को नई पहचान देने वाला प्रयास है। आने वाले समय में रुद्रेश्वर धाम प्रदेश के प्रमुख आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन केंद्रों में शामिल होगा।

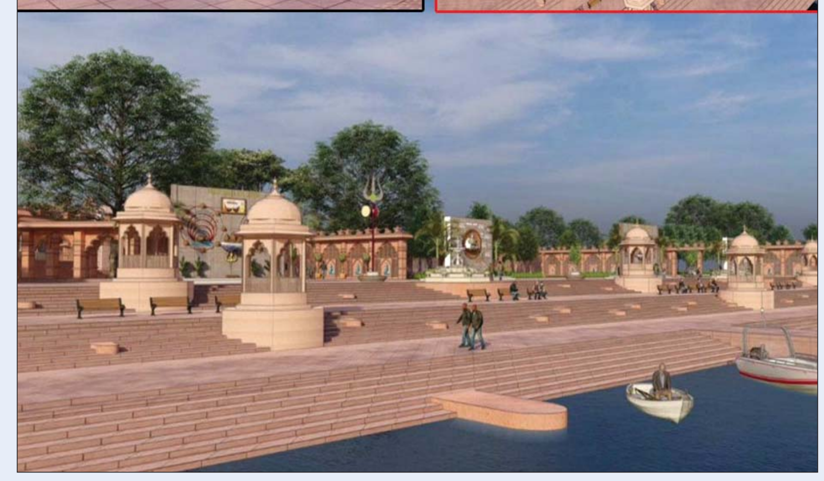

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950